सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 83 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 05 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एक और माफिया ढेर, यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में विनोद उपाध्याय का किया एनकाउंटर

लखनऊ। यूपी एसटीफ ने गोरखपुर के कुख्यात माफिया विनोद उपाध्याय को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात सुल्तानपुर में एसटीफ और माफिया के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया ढेर हो गया। विनोद उपाध्याय के सिर गोरखपुर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी।

विनोद उपाध्याय पुत्र रामकुमार उपाध्याय मूल रूप से मयाबाजार थाना महाराजगंज, अयोध्या का रहने वाला था। अपराध की दुनिया का बड़ा नाम और उत्तर प्रदेश के टॉप 61 माफिया की सूची में शामिल माफिया विनोद कुमार उपाध्याय पर एडीजी जोन गोरखपुर ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। गुरुवार की रात बदमाश विनोद उपाध्याय और एसटीएफ के मध्य सुल्तानपुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में मुठभेड़ हो गई। जिसमें विनोद उपाध्याय गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अभियुक्त विनोद के ऊपर कुल 35 मुकदमें विभिन्न जनपदों के भिन्न-भिन्न थानों में दर्ज हैं, जिसमें हत्या व हत्या के प्रयास के कई मुकदमें भी शामिल हैं। प्रदेश के बड़े माफियाओं में विनोद उपाध्याय का नाम शामिल था। पुलिस अन्य विधिक कार्यवाही में जुटी है।

इसरो को बड़ी सफलता, फ्यूल सेल तकनीक का किया सफल परीक्षण

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल इसरो ने शुक्रवार को फ्यूल सेल तकनीक (ईंधन सेल प्रौद्योगिकी) का सफल परीक्षण किया। इसरो के भविष्य के मिशन और डाटा इकट्ठा करने के लिहाज से यह फ्यूल सेल तकनीक बेहद अहम है। इस तकनीक की मदद से ईंधन रिचार्ज किया जा सकता है और इससे कोई उत्सर्जन भी नहीं होता। अंतरिक्ष में ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और पीने के पानी के लिए यह तकनीक सबसे आदर्श है।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को अंतरिक्ष में 100 वॉट श्रेणी के पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेंब्रेन फ्यूल सेल पर आधारित पावर सिस्टम का सफल परीक्षण किया। इसरो ने बीती 1 जनवरी को पीएसएलवी-सी58 मिशन के साथ पीओईएम को लॉन्च किया था। अब अंतरिक्ष में इसका परीक्षण किया गया, जो सफल रहा। इस परीक्षण के दौरान हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस की मदद से हाई प्रेशर वेसल में 180 वॉट ऊर्जा उत्पन्न की गई। इसरो ने बताया कि फ्यूल सेल तकनीक की मदद से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस से ऊर्जा उत्पन्न की गई। साथ ही इससे पीने का पानी मिला और कोई उत्सर्जन भी नहीं हुआ। फ्यूल सेल तकनीक के फायदों के देखते हुए ही अब वाहनों में भी बैट्रीज की जगह इसी तकनीक का इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है। इससे ना सिर्फ पारंपरिक इंजनों को जल्द रिचार्ज किया जा सकेगा, साथ ही इससे वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर भी बहुत हद तक काबू पाया जा सकेगा।

दुर्ग संभाग में भाजपा को मिली थी 20 में से 10 सीटों पर हार, संभागीय सम्मेलन कर पार्टी करेगी मंथन

दुर्ग में कल होगा भाजपा का बड़ा कार्यक्रम कांग्रेस को फिर पटखनी देने बनेगी रणनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज़

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी ने अगले कुछ महीनों में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। इस सिलसिले में शनिवार को दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है। जिला भाजपा संगठन इस कार्यक्रम को सफल बनाने जी जान से जुटा है। इस संभागीय बैठक में मुख्यमंत्री बनने के बाद विष्णुदेव साय और प्रदेश भाजपाध्यक्ष बनने के बाद किरण सिंह देव पहली बार आ रहे हैं। इनके अलावा प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय समेत अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। हालांकि आयोजन को कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह का नाम दिया गया है, लेकिन इसमें आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों की झलक देखने को मिलेगी। दुर्ग संभाग की 20 विधानसभा सीटों में से भाजपा को महज 10 सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी। पार्टी अब हारी हुई 10 सीटों को लोकसभा चुनाव में अपने साथ करने की रणनीति पर काम कर रही है। संभावना है कि विधानसभा की तरह ही लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को पटखनी देने का संदेश इस आयोजन से निकलकर आए।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की खुमारी अभी उतरी भी नहीं है और भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। संभाग की 20 से 10 सीटों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। अब हार वाली इन 10 सीटों पर जीत के लिए रणनीति तैयार की जा रही है। इतना ही नहीं हर बूथ पर कार्यकर्ताओं के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। लोकसभा चुनाव की तैयारी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव का अभिनंदन समारोह दुर्ग में आयोजित होने जा रहा है। 6 जनवरी को पं. रविशंकर स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन तय किया गया है। जहां संभाग के सभी दिग्गज नेता, मंत्री, विधायक सहित अन्य कार्यकर्ता, पदाधिकारी शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी की यह पहली बड़ी सभा होगी। जिला भाजपा कार्यालय दुर्ग में संभागीय बैठक आयोजित कर कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह की तैयारियों और अन्य मुद्दों पर संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी के मार्गदर्शन में चर्चा हुई। बैठक में संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी ने बताया कि आगामी 6 जनवरी शनिवार को दुर्ग में संभाग स्तरीय कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और प्रदेश सरकार के मंत्रियों का आगमन होगा। 06 जनवरी के बाद दुर्ग संभाग की सभी 20 सीटों में संपन्न विधानसभा चुनाव की समीक्षा बैठक आहूत करनी है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधित करने के काम में तेजी लाने और राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व घर घर जनता से संपर्क के साथ 22 जनवरी का दिन हर्षोल्लास से मनाने की कार्ययोजना बनी। आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से सभी मोर्चों की विधानसभा स्तरीय सम्मेलन और नव मतदाता सम्मेलन करने का भी निर्देश दिया गया।

जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव के प्रथम आगमन की तैयारी को लेकर जिला भाजपा दुर्ग जिला संगठन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। यह एक ऐतिहासिक अवसर है, दुर्ग जिले की 20 में से 10 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है और दुर्ग संगठन जिले के 5 में से 4 सीटों पर कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष की बदौलत भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर भूपेश सरकार के मंत्री स्तर के लोगों को हराया है। कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष की सराहना के लिए आ रहे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव के आगमन को ऐतिहासिक बनाया जाएगा। बैठक के पश्चात जिला भाजपा के नेताओं ने कार्यक्रम के लिए अलग-अलग स्थलों का अवलोकन किया। अवलोकन पश्चात जिला प्रशासन के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति में पंडित रविशंकर स्टेडियम को कार्यक्रम स्थल के लिए चयनित किया गया।

2018 में जीती थी महज 2 सीटें

2018 में भाजपा को दुर्ग संभाग की 20 सीटों में से महज 2 सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी। इनमें एक सीट तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह व दूसरी सीट दुर्ग जिले की वैशाली नगर थी, जहां से विद्यारतन भसीन को जीत मिली थी। कांग्रेस ने ऐसी ही जीत अन्य संभागों में भी हासिल की, जिसकी बदौलत प्रदेश में उसकी सरकार बनी। लेकिन इस बार बेहतर रणनीति और चुनाव प्रबंधन की बदौलत भाजपा ने 2018 की तुलना में 8 सीटें ज्यादा जीतीं। पार्टी के वरिष्ठ नेता इससे संतुष्ट नहीं है, इसीलिए अब उन 10 हारी हुई सीटों को लोकसभा चुनाव के माध्यम से जीतने की तैयारियां शुरू की गई है। वहीं दुर्ग जिले की बात करें तो 2018 में भाजपा के खाते में 6 में से महज 1 सीट ही आई थी। जबकि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 4-2 से लीड हासिल की है।

लोकसभा जीते पर विधानसभा में मिली हार

2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने दुर्ग संसदीय सीट से विजय बघेल को उम्मीदवार बनाया था। श्री बघेल ने इस चुनाव में एकतरफा जीत हासिल की थी। सांसद रहते हुए उन्हें इस बार के विधानसभा चुनाव में पाटन सीट से उतारा गया, जहां से तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मैदान में थे। सांसद विजय बघेल और भाजपा संगठन ने इस चुनाव में खूब मेहनत की, बावजूद इसके उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। हालांकि भूपेश बघेल को क्षेत्र विशेष तक सीमित रखने में भाजपा कामयाब रही। भूपेश बघेल को आक्रामक राजनीति करने वाले नेता के रूप में जाना जाता है। पार्टी की रणनीति थी कि विजय बघेल जैसे कद्दावर नेता को यदि भूपेश बघेल के खिलाफ उतारा जाए तो इसका असर पूरे प्रदेश में होगा। विजय बघेल भले ही विधानसभा का चुनाव हार गए, लेकिन पार्टी और सीनियर नेताओं का दिल जीतने में वे कामयाब रहे।

जुबिन का राम भजन सुन मंत्रमुग्ध हुए पीएम मोदी, पोस्ट साझा कर की तारीफ

नईदिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां धूम धाम से की जा रही हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। पूरे देश में जश्न का माहौल है। इस बीच अब पीएम मोदी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (ट्विटर) पर भगवान श्रीराम का एक मधुर भजन साझा किया है। साथ ही भजन के गायक जुबिन नौटियाल, लेखक मनोज मुंतशिर और म्यूजिक कंपोजर पायल देव की तारीफ भी की।

पीएम मोदी ने 'मेरे घर राम आए हैं' भजन साझा करते हुए लिखा, 'भगवान श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा के सुअवसर पर अयोध्या के साथ-साथ पूरा देश राममय हो रहा है। राम लला की भक्ति से ओतप्रोत जुबिन नौटियाल जी, पायल देव जी और मनोज मुंतशिर जी का यह स्वागत भजन दिल को छू लेने वाला है।

इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर पर आधारित भजन, 'जय श्री राम' के लिए गायक हंसराज रघुवंशी की प्रशंसा की थी। पीएम मोदी ने बीते गुरुवार को एक्स पर लिखा, 'अयोध्या में प्रभु श्री राम के स्वागत को लेकर पूरा देश राममय है। राम लला की भक्ति में डूबे भक्तजन इस शुभ दिन के लिए तरह-तरह से अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं। उन्होंने राम को समर्पित हंसराज रघुवंशी भजन सुनने की अपील भी की।

22 को राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा

22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन के लिए तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, जिसमें गणमान्य व्यक्ति और सभी क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को भव्य मंदिर में राम लला की मूर्ति की स्थापना में शामिल होने के लिए तैयार हैं। इस कार्यक्रम के लिए तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, जिसमें गणमान्य व्यक्ति और सभी क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे। श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट ने 22 जनवरी को दोपहर में राम मंदिर के गर्भगृह में राम लला को विराजमान करने का निर्णय लिया है। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या, भारत के लोगों के लिए महान आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखती है। ट्रस्ट ने समारोह के लिए सभी संप्रदायों के 4000 संतों को भी आमंत्रित किया है। अयोध्या में राम लला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए वैदिक अनुष्ठान मुख्य समारोह से एक सप्ताह पहले 16 जनवरी को शुरू होंगे।

गृहमंत्री विजय शर्मा का बड़ा फैसला : छत्तीसगढ़ में अब पुलिस कर्मियों को भी मिलेगा वीकली ऑफ

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के पुलिस कर्मियों को बड़ी खुशखबरी दी है। राज्य सरकार ने पुलिस कर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का निर्णय लिया है। यह निर्णय प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद लिया है। इस बैठक में पहले विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई इसके बाद डिप्टी सीएम ने पुलिस कर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का ऐलान किया।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा गृह मंत्रालय संभालने के बाद पुलिस के आला अधिकारियों के साथ पहली बड़ी बैठक की। पुलिस मुख्यालय में करीब 4 घंटे तक अधिकारियों के साथ कई विषयों पर चर्चा की गई। इन चर्चाओं में क्राइम, ट्रेनिंग और प्लानिंग इसके साथ ही पुलिस भर्ती को लेकर जल्द से जल्द शेड्यूल तैयार करने पर जोर दिया गया।

डिप्टी सीएम एवं प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि आरक्षक और प्रधान आरक्षक सभी उनके साथी हैं। पुलिस विभाग की भी अपनी बहुत सारी तकलीफें हैं जिन्हें ध्यान में रखते हुए साप्ताहिक अवकाश भी सुनिश्चित किया गया है। इसके साथ ही डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश में पुलिस कर्मियों को अब साप्ताहिक अवकाश देने का निर्णय लिया गया है। जिसको लेकर रोस्टर जल्द से जल्द लागू कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार के फैसले से 24 घंटे 7 दिन ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब उन्हें सप्ताह में एक दिन अवकाश मिलने से पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर देखने को मिलेगा।

फटाके वाली बुलेट और बेजुबान ईवी

श्रीकंचनपथ

बुलेट कभी शान की सवारी हुआ करती थी। बुलेट सवार तन कर बैठा होता और धीमी रफ्तार में उसकी 350 सीसी वाली गंभीर ध्वनि का आनंद लेता हुआ चलता। देखने वाले को भी लगता कि कोई खास आदमी आ रहा है। ज्यादा माइलेज वाली 100 सीसी की गाड़ियों के आने के बाद 250 सीसी की येजदी तो गायब हुई ही, 150 सीसी वाली हमारा बजाज भी सड़कों से ओझल हो गया। उन दिनों हर तरफ माइलेज की चर्चा होती थी। बजाज ने तो माइलेज को 90 किलोमीटर प्रति लीटर तक बढ़ा दिया था पर हीरो होण्डा बाजार पर छा गया। वैश्वीकरण के दौर में लोगों की जेब भारी हुई, वाहन फाइनेंस करने वाली कंपनियों की बाढ़ आ गई तो एक बार फिर परफार्मेंस बाइक की बिक्री में उछाल आ गया। अब कोई माइलेज की बात नहीं करता। इसी दौर में बुलेट ने जोरदार वापसी की। पर अब इसके सवारों में वह पहले वाली बात नहीं रही। बुलेट अब छिछोरों की सवारी हो गई है। भारत की सड़कों पर बुलेट ही संभवत: वह इकलौती बाइक है जिसके लिए तरह-तरह के साइलेंसर आते हैं। लोग नई गाड़ी का भी साइलेंसर बदलवा लेते हैं और फिर खूब शोर मचाते हुए सड़कों से गुजरते हैं। कुछ शरारती तत्व 'ऑन-ऑफ स्विच' का इस्तेमाल कर फटाके भी फोड़ते हैं। पुलिस समय-समय पर इनके खिलाफ कार्रवाई भी करती है पर एक्सेसरीज के नाम पर धड़ल्ले से मोडिफाइड साइलेंसर बेचने-लगाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। यह ठीक वैसा ही है जैसे सड़क किनारे दारू दुकान खोलने का लाइसेंस दो और फिर पीकर गाड़ी चलाने वालों का चालान काटो। फटाके वाली बुलेट सड़कों की अकेली मुसीबत नहीं है। फटाके वाली बुलेट जहां लोगों के कान फाड़ती है वहीं इसकी आवाज से कुछ लोग बिचककर हादसों का शिकार भी हो जाते हैं। पर नई समस्या बैटरी वाले वाहनों की है। शरारती तत्वों ने इनमें कार वाली हार्न लगा रखी है। ये बेआवाज गाड़ियां गुपचुप करीब आकर लोगों को हकबका देती हैं। अधिकांश दुपहिया वाहन के रियर व्यू मिरर में चालक अपना ही चेहरा देख रहा होता है। तेज रफ्तार गाड़ी में अपने उड़ते बालों को देखकर उसे शाहरुख वाली फीलिंग आती है। वैसे भी कुछ छिछोरों का खास शौक है स्टैंड पर लगी गाड़ियों पर टिककर खड़े होना और उसके मिरर को घुमाना। कुछ ही दिनों में मिरर ढीला होकर लटक जाता है। इसके बाद चालक को केवल मिरर की पीठ ही दिखाई देती है, उसका शीशा सड़क की ओर होता है। लिहाजा बेआवाज ई-व्हीकल का उसे कुछ पता ही नहीं लगता। 2047 में भारत की आजादी को 100 साल पूरे हो जाएंगे। सड़कें और चौड़ी हो जाएंगी, फ्लाईओवरों पर ट्रैफिक की स्पीड बढ़ेगी, शहरों के बीच की दूरियां कम होंगी। पर यदि लोगों ने सड़कों का अनुशासन नहीं सीखा तो सबकुछ धरा का धरा रह जाएगा। ट्रॉमा सेंटरों के साथ ही लाशों की गिनती बढ़ती चली जाएगी।

संपादकीय

शीत लहर से सामना

अभी कुछ महीने पहले ही मौसम वैज्ञानिकों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इस साल ज्यादा सर्दी नहीं पड़ेगी। अब पूरा उत्तर भारत भीषण ठंड में कंपकंपा रहा है। स्कूलों में छुट्टियां कर दी गई हैं, और डॉक्टर सावधान रहने की चेतावनी दे रहे हैं। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि कोई भी मौसम जब अपनी अति पर पहुंचता है, तो उसकी सबसे ज्यादा मार उस तबके पर पड़ती है, जो आम दिनों में भी अपने जीवन-यापन के संसाधन पूरी तरह नहीं जुटा पाता। ऐसे में, मौसम की अति गरीब तबके के लिए एक आफत की तरह होती है। तीन दिन पहले ही कानपुर का एक झझकोर देने वाला वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक मजबूर बुजुर्ग को जब भीषण सर्दी से बचने का कोई तरीका नहीं मिला, तो वह श्मशान घाट में जल रही चिताओं के बीच जाकर सो गए। यह वीडियो उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की ठंड के बारे में तो बताता ही है, साथ ही यह भी बताता है कि ठंड जब बढ़ती है, तब समाज को किन त्रासदियों से गुजरना पड़ता है। खासकर उन लोगों को, जिनके पास कोई छत नहीं है और बचाव की सुविधाएं बेतरह अपर्याप्त हैं। इसे हम राजधानी दिल्ली के उदाहरण से समझ सकते हैं। यहां पर विभिन्न सरकारों ने रैन बसेरों का एक बड़ा नेटवर्क बनाने की कोशिश की है। दिल्ली में कुल 195 रैन बसेरे हैं, जिनमें करीब 19 हजार बेघर लोग सर्दी से बचने के लिए शरण ले सकते हैं। लेकिन क्या इतना काफी है? साल 2011 की जनगणना के हिसाब से ही दिल्ली में 47 हजार लोग बेघर थे। तब से अब तक यह संख्या बढ़ी ही होगी। कई समाजसेवियों का अनुमान है कि राजधानी में डेढ़ लाख से भी ज्यादा लोग बेघर हैं। अगर हम 2011 के आंकड़े को ही सही मान लें, तब भी बेघरों का ज्यादा बड़ा हिस्सा फुटपाथों, बस अड्डों और रेलवे प्लेटफॉर्म पर फटी-चिथड़ी रजाइयां ओढ़कर सोने को मजबूर है। बेघर गरीब शीत लहर के प्रकोप से बच सकें, इसके लिए पहले जगह-जगह अलाव जलाए जाते थे। अब भी कुछ जगहों पर जलाए जाते हैं, लेकिन ठीक इसी मौसम में दिल्ली का प्रदूषण चरम पर होता है और ज्यादा अलाव जले, तो वे इस समस्या को जटिल ही बनाएंगे। खासकर उन लोगों के लिए, जिन्हें अपना जीवन सड़कों पर ही बिताना पड़ता है। इस समस्या को हम एक अन्य तरह से भी समझ सकते हैं। हर साल शीत लहर का शिकार बनने वाले लोगों की खबरें हिमाचल जैसे ठंडे पहाड़ी प्रदेशों से उतनी नहीं आतीं, जितनी वे अपेक्षाकृत कम ठंडे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, शहरों और कस्बों से आती हैं। जिस समय हम इस सर्दी को लेकर परेशान हैं, पर्वतीय इलाकों की अपनी अलग चिंताएं हैं। उत्तराखंड से लेकर हिमाचल और कश्मीर तक में इस बार भीषण सर्दी के बावजूद ज्यादा बर्फबारी नहीं हुई है। पर्वतीय इलाकों में इसको लोग सूखी ठंड कहते हैं, जो वहां के बाशिंदों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक होती है और सेब जैसी फसलों के लिए भी बुरी खबर होती है। यह मौसम की एक अलग तरह की अति है। दिक्कत यह है कि कठिन समय गुजरते ही हम हर बार फिर से पर्यावरण और समाज की त्रासदियों और चुनौतियों को लेकर बेपरवाह हो जाते हैं। जिस तरह से पर्यावरण में बदलाव हो रहा है, दुनिया भर में मौसम की अति भी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में यह बेपरवाही शीत लहर से ज्यादा घातक हो सकती है।

> “ जिस समय हम इस सर्दी को लेकर परेशान हैं, पर्वतीय इलाकों की अपनी अलग चिंताएं हैं। उत्तराखंड से लेकर हिमाचल और कश्मीर तक में इस बार भीषण सर्दी के बावजूद ज्यादा बर्फबारी नहीं हुई है। पर्वतीय इलाकों में इसको लोग सूखी ठंड कहते हैं, जो वहां के बाशिंदों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक होती है और सेब जैसी फसलों के लिए भी बुरी खबर होती है।

नतीजा संवाद से परहेज का

अगर केंद्र सरकार कानून बनाने के पहले सभी हित-धारकों से संवाद के रास्ते पर चलती, तो ट्रक, बस और टैंकर चालकों को हड़ताल पर नहीं जाना पड़ता। लेकिन हित-धारकों की बात तो अलग, सरकार ने देश की आपराधिक दंड संहिता और साक्ष्य कानून में व्यापक बदलाव बिना विपक्ष के साथ भी संवाद कायम किए कर दिया। अब चूंकि नई भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के बारे में प्रभावित हो सकने वाले लोगों को जानकारी मिल रही है, तो उनका असंतोष सामने आ रहा है। इसकी पहली मिसाल ड्राइवरों की हड़ताल के रूप में देखने को मिली, जिसका सीधा असर आम परिवहन और जरूरी चीजों की सप्लाई पर पड़ा। जब हड़ताल से जन-जीवन बाधित हुआ, तब केंद्र की तरफ से ड्राइवरों के संगठनों से बातचीत की पहल की गई। फिलहाल, केंद्र के आश्वासन पर यकीन कर ड्राइवरों ने हड़ताल वापस ले ली है। लेकिन इस प्रकरण से वर्तमान सरकार की पहले निर्णय लेने और फिर सोचने के रवैये पर फिर से गंभीर सवाल जरूर खड़े हुए हैं।

ड्राइवरों की शिकायत है कि नए कानून में सड़क हादसों के मामलों में बेहद सख्त सजा का प्रावधान कर दिया गया है। नई संहिता के तहत अगर कोई वाहन चालक किसी सड़क हादसे के बाद बिना पुलिस या प्रशासन को सूचित किए बिना वहां से चला जाता है, तो उसे 10 साल तक की जेल या सात लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है। ट्रांसपोर्ट संगठनों का सवाल है कि हादसा होने की स्थिति में अगर भीड़ चालक पर हमला कर दे, तो उस हाल में ड्राइवर खुद को बचाएगा या प्रशासन को सूचित करने की कोशिश में अपने को भीड़ के हवाले कर देगा? यह सच है कि भारत में ट्रक-बस-टैंकर चालकों का जीवन मुश्किलों से भरा होता है। हादसे हमेशा उनकी गलती से नहीं होते। भारत की सड़कें और लचर ट्रैफिक सिस्टम अक्सर हादसों का कारण बनते हैं। ऐसे में हादसे रोकने के लिए नजरिए में बदलाव की आवश्यकता है। जहां ड्राइवरों की गलती हो, उन्हें बेशक सख्त सजा मिलनी चाहिए, लेकिन हादसे की कुल परिस्थितियों को भी अवश्य में ध्यान में रखा जाना चाहिए।

चूंकि चाल सियासी है

बिहार सरकार ने जातीय सर्वेक्षण के आंकड़ों के बारे में सुप्रीम कोर्ट में उलटा तर्क रखा। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि सर्वे से प्राप्त आंकड़ों पर अभी काम किया जा रहा है। आंकड़ों का विश्लेषण पूरा होने के बाद उन्हें सार्वजनिक कर दिया जाएगा। यह तर्क उलटा इसलिए है क्योंकि विश्लेषण का काम पूरा हुए बिना ही नीतीश कुमार सरकार ने राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण को बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया। जाहिर है, महागठबंधन सरकार का मकसद आरक्षण बढ़ाकर एक खास राजनीति संदेश देना था। इस कदम का आधार तैयार करने के लिए उसने जातीय सर्वेक्षण करवाया था। बहरहाल, अगर राज्य सरकार का मकसद सचमुच जातीय आधार पर पिछड़ेपन को दूर करना होता, तो वह पहले ईमानदारी से सारे आंकड़े सार्वजनिक दायरे में रखती- फिर उनके आधार पर सार्वजनिक बहस आयोजित की जाती। इस तरह पिछड़ापन दूर करने के लिए सूचना और समझ आधारित विकास नीति का निर्माण हो सकता था। संभव है कि इस बहस के दौरान समझ बनती कि आरक्षण में वृद्धि भी एक जरूरी कदम है। लेकिन इसके साथ कई और कदमों पर अमल करने की बात सामने आती, क्योंकि आरक्षण में बढ़ोतरी अपने-आप में पर्याप्त उपाय नहीं है। मगर बिहार की सत्ताधारी पार्टियों का मकसद जातीय भावना उभार कर चुनावी बैतरणी पार करना है। अब चूंकि एक जन हित याचिका के जरिए मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, तो प्रदेश सरकार को न्यायिक निर्णय का इंतजार करना होगा। इस बीच सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सटीक है कि सारे आंकड़े सार्वजनिक दायरे में रखना उचित होगा, ताकि राज्य सरकार ऐसी नीतियां बना सके, जो आम जानकारी पर आधारित हो। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसी नीतियां बनाना सचमुच बिहार सरकार के एजेंडे में है?

> “ भारतीय युवाओं का उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना और वहीं पर बस जाना चिंताजनक है। विदेश जाने वाले योग्यतम लोगों को वापस लाने के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा चीन ने किया है। उसने विदेश जाने वाली अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं, आवास, परिवेश व वेतनमान देकर वापस बुला लिया और इसका उसे भरपूर लाभ मिला। चीन आज एआई और आर्थिक विकास के अनेक क्षेत्रों में भारत से कम से कम दस साल आगे है।

ताकि बड़ी संख्या में भारत पढ़ने आएं छात्र

हरिवंश चतुर्वेदी, मुख्य शिक्षा सलाहकार, बिमटेक

अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारतीय उच्च मध्यवर्गीय परिवारों के छात्र बड़ी संख्या में जा रहे हैं। साथ ही, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के किसानों के बच्चे भी जमीन बेचकर विदेश जा रहे हैं। साल 2019 में सात लाख विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए, वहीं हर साल महज 40,000 विदेशी विद्यार्थियों का भारत आना यह बताता है कि विश्व स्तर पर भारतीय उच्च शिक्षा की छवि ठीक नहीं है।

पिछले दिनों रांची में आईआईएम में दोतरफा अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर आयोजित परिचर्चा में विचार-मंथन हुआ था कि भारतीय छात्र विदेश जा तो रहे हैं, पर ऐसा क्या किया जाए कि बाहर से भी छात्र भारत आने लगें? क्या निकट भविष्य में विदेशी छात्र भी बड़ी संख्या में भारत पढ़ने आएंगे? यह बहुत व्यापक विषय है और इसके अनेक पहलू हैं।

वास्तव में, छात्रों को विदेश जाने से नहीं रोका जा सकता। एक समय गांधी, नेहरू, आंबेडकर भी विदेश गए थे, पर वे लौटकर आए और देश की सेवा में खुद को समर्पित कर दिया। आज भी छात्रों को बाहर जाने से रोका नहीं जा सकता, पर स्यापा छोड़कर ऐसे प्रयास तो हो सकते हैं, ताकि कम से कम संख्या में छात्रों को विदेश जाना पड़े, इसके लिए प्राथमिक रूप से शिक्षा बजट बढ़ाने की जरूरत है। शिक्षा के बजट को तीन प्रतिशत से बढ़ाकर तुरंत छह फीसदी करने की जरूरत है। साथ ही, अपने यहां जो स्तरीय उच्च शिक्षण संस्थान हैं, उनको विस्तार व सुधार करने से ज्यादा स्वायत्तता देनी पड़ेगी। अच्छे शिक्षकों को राष्ट्र-निर्माता के रूप में अधिक सम्मान देना पड़ेगा। ऐसे बहुत से उपाय हैं, जो उच्च शिक्षा में सुधार के लिए किए जा सकते हैं।

जिनके पास पैसा है, वे तो विदेश पढ़ने अवश्य जाएंगे। उनके जाने पर ज्यादा चिंतित नहीं होना चाहिए। विदेश में वेतन भी ज्यादा मिलता है, तो भारत से जाने वाले अगर वहां कमाकर एक हिस्सा भारत में भेजें, तो यह भी फायदेमंद है। देश में तीन लाख रुपये कमाने से अच्छा है कि विदेश में रहकर तीन करोड़ रुपये कमाए जाएं और उनमें से एक करोड़ रुपये स्वदेश भेज दिए जाएं, इससे भी राष्ट्रीय आय बढ़ेगी।

भारतीय युवाओं का उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना और वहीं पर बस जाना चिंताजनक है। विदेश जाने वाले योग्यतम लोगों को वापस लाने के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा चीन ने किया है। उसने विदेश जाने वाली अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं, आवास, परिवेश व वेतनमान देकर वापस बुला लिया और इसका उसे भरपूर लाभ मिला। चीन आज एआई और आर्थिक विकास के अनेक क्षेत्रों में भारत से कम से कम दस साल आगे है। भारत भी अगर चीन की तर्ज पर अपने लोगों को स्वदेश आमंत्रित कर पाए, तो इसके विकास की रफ्तार दोगुनी हो सकती है। पर जिनकी सालाना तनख्वाह विदेश में करोड़ों में है, क्या उन्हें भारत में रोकने के प्रबंध संभव हैं? चीन ने इस पर समय रहते सोचा और आज वह फायदे में है।

दूसरी ओर, हमें विदेशी छात्रों को अपने यहां आकर्षित करने के लिए ज्यादा प्रयास करना चाहिए। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने एक ‘स्टडी इंडिया पोर्टल’ छह महीने पहले शुरू किया है। इसमें देश के सर्वश्रेष्ठ सौ संस्थानों के पेज बनाए गए हैं, जहां विदेशी छात्र अपनी पसंद के पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। आज विदेशी छात्रों को देने के लिए हमारे संस्थानों व सरकार के पास क्या है? क्या यहां के शिक्षकों या प्रोफेसरों को इसकी कोई चिंता है कि छात्र आखिर क्यों विदेश जा रहे हैं? अच्छे प्रोफसर भी तो विदेश में अवसर तलाशते रहते हैं। एक पहलू यह भी है कि भारत में भी जो विश्वस्तरीय संस्थान हैं, उनमें प्रवेश के लिए पर्याप्त सीटें नहीं हैं। ऐसे संस्थान सभी को तो प्रवेश नहीं दे सकते। विगत वर्षों में कुछ अच्छे निजी संस्थान भी विकसित हुए हैं, जिनका वार्षिक शुल्क पचास लाख रुपये तक है और वे विश्वस्तरीय शिक्षा दे रहे हैं। फिर भी लोग विदेश जाते हैं, क्योंकि वहां उनका वैश्विक नेटवर्क बनता है और आसानी से रोजगार भी मिल जाता है। विदेश जाने की अनेक वजहें हैं, मगर हमें अपना ध्यान इस बात पर लगाना चाहिए कि विदेश जाने वाले हमारे छात्र लौटकर आएं और विदेशी छात्रों का पढ़ने के लिए भारत आने का सिलसिला बढ़े।

जिस प्रकार अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश अपने यहां काम करने के लिए विदेशी छात्रों को 2-3 साल का वीजा प्रस्तावित करते हैं, ठीक उसी तरह भारत भी कर सकता है। इससे दुनिया में अनेक देशों के युवा भारत की ओर आकर्षित होंगे। एक समय बड़ी संख्या में अफ्रीका व एशियाई देशों के छात्रों की पहली पसंद भारत ही था। भारत को इन देशों के छात्रों को लुभाने के लिए प्रचार करना चाहिए। ठीक उसी तरह, जैसे भारत में दूसरे विकसित देशों के संस्थान करते हैं।

शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण ढंग से होना चाहिए। हमारी सरकारों, दूतावासों, विश्वविद्यालयों और श्रेष्ठ शिक्षा संस्थानों के बीच समन्वय बढ़ना चाहिए। विदेश से छात्रों के आने से देश को अर्थिक लाभ भी होगा। अनेक देशों की सरकारें अपने शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर दूसरे देशों में आक्रामक ढंग से खूब प्रचार-प्रसार और व्यापार कर रही हैं। भारत में भी मेट्रो शहरों के आस-पास नॉलेज विलेज विकसित करने चाहिए। हमारे सामने दो तरह के मॉडल हैं, जिन पर विचार किया जा सकता है। जैसे दुबई में ‘नॉलेज विलेज’ है, 15 साल पहले मैं वहां गया था। ध्यान रहे, दुबई से सीखकर ही गुजरात की गिफ्ट सिटी में राज्य सरकार ने बड़े-बड़े भवन बना दिए और विदेशी शिक्षा संस्थानों को आमंत्रित किया। वहां शिक्षण संस्थानों को भूमि खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती है।

उधर, दुबई के नॉलेज विलेज में दुनिया के बीस-पच्चीस विदेशी विश्वविद्यालय सेवाएं दे रहे हैं। हम भी ऐसा कर सकते हैं। संस्थानों को अधिकतम स्वायत्तता देनी पड़ेगी और पाबंद भी करना होगा कि शिक्षा शुल्क से आया अतिरिक्त पैसा भारत में ही शिक्षा में लगेगा।

सिंगापुर का भी एक मॉडल है। उसने अपने यहां ऐसे विशिष्ट वैश्विक शिक्षण संस्थानों को भी आमंत्रित किया, जो कहीं जाना पसंद नहीं करते थे। संस्थानों की स्थापना को इतना आसान बना दिया कि अच्छे संस्थान आए और सिंगापुर के आकर्षण की वजह बन गए। भारत के पास जगह की कोई कमी नहीं है, हम अगर ठान लें, तो आसानी से कई स्मार्ट नॉलेज सिटी विकसित कर सकते हैं, जहां विकसित देशों की तुलना में शिक्षा भी किफायती हो सकती है और भारत विकसित देशों से प्रतिस्पर्द्धा भी कर सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बेहतर समाज बनाने के लिए टूटने चाहिए पुराने मिथक

अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

सामाजिक क्षेत्र के अनेक दिग्गजों के दिलो-दिमाग पर पुराने मिथकों की मजबूत पकड़ है। परोपकारियों और दानदाताओं से लेकर नागरिक समाज संगठनों, नीति निर्माताओं तक मिथकों का बड़ा जोर है। हमें अपने कामकाज में अधिक प्रभावी बनने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए इन मिथकों को तोड़ना चाहिए। सच्चाइयों का सामना करना चाहिए। आइए कुछ व्यापक, पर समस्या पैदा करने वाले मिथकों के बारे में जानें।

स्थिरता का मिथक: यह धारणा है कि कोई समुदाय सुधार और बदलाव से आत्मनिर्भर होकर स्थिर हो सकता है। चाहे वह एक गांव हो या एक बड़ी राज्य प्रणाली, यह एक मिथक है। इसके पीछे धारणा यह है कि अच्छी चीजों को एक जगह जुटाया जा सकता है, जहां बाहरी समर्थन या हस्तक्षेप की जरूरत ही न रह जाए। हालांकि, सामाजिक क्षेत्र का हर अनुभव एक ही कहानी बयान करता है कि कुछ भी अपने आप कायम या स्थिर नहीं रहता। समाज, व्यवस्था को आंतरिक और बाहरी ताकतें (राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक) लगातार प्रभावित करती हैं। इस गतिशील मानव रंगमंच पर जो कुछ भी हासिल किया गया है, उसे कहीं न कहीं से निरंतर पोषण और ऊर्जा की जरूरत पड़ी है, अन्यथा चीजें पीछे की ओर खिसक जाती हैं या भटक जाती हैं। मिसाल के लिए, कुछ पंचायतों ने तय किया कि कोई बाल विवाह न हो या किसी के साथ जाति के आधार पर भेदभाव न किया जाए। दानदाता या सुधारकों ने जब समझा कि यह लक्ष्य हासिल हो गया है, तब उन्होंने अपना काम बंद कर दिया। अब चूंकि पंचायतें एक व्यापक समाज का हिस्सा होती हैं, तो वहां कुछ ऐसी ताकतें हमेशा सक्रिय रहती हैं, जो सुधार के खिलाफ काम करती हैं। वास्तव में, समाज में किसी भी अच्छे नतीजे को बनाए रखने का संघर्ष सतत है, क्योंकि सब कुछ क्षणभंगुर है, जो अच्छा है, वह तो और भी ज्यादा।

पैमाना संबंधी मिथक: क्या मानवीय संबंधों को मापा जा सकता है? क्या सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को मापा जा सकता है? समाज गतिशील है, तो उसमें बनने वाले रिश्ते भी गतिशील हैं। सबकी अपनी-अपनी विशिष्टता के चलते रिश्तों को मापा नहीं जा सकता। मापना सामाजिक क्षेत्र में कल्पना मात्र है। यह स्वीकार करना इतना कठिन क्यों है कि मनुष्य मशीन नहीं हैं और समाज कारखाना नहीं है?

व्यवस्था में बदलाव संबंधी मिथक: किसी व्यवस्था में अनेक चीजें शामिल रहती हैं। सिस्टम या व्यवस्था जैसा शब्द अब इतनी बार इस्तेमाल होता है कि हम इसकी जटिलता और विशालता को भूल जाते हैं। दानदाताओं और समाजसेवियों का दावा है कि वे सिस्टम में बदलाव के लिए काम करते हैं। अक्सर स्मार्ट लोगों का एक समूह किसी स्थान पर बैठकर सिस्टम के लिए नीति निर्माण, प्रशासनिक पहल और जमीनी स्तर पर काम की योजना बनाता है। यह साफ तौर पर अहंकार है और ऐसे सभी दावेदारों को सिस्टम में होने वाले बदलावों पर ईमानदारी से विचार करने की जरूरत है।

नागरिक समाज संगठन संबंधी मिथक: एक समय नागरिक समाज संगठनों को सद्गुणों का प्रतिमान और इस बात का उदाहरण माना जाता था कि लोग अपना जीवन समाज सेवा में कैसे समर्पित कर सकते हैं। पिछले दो-तीन दशकों में यह धारणा उलट गई है। अब धारणा यह है कि आज कुछ संगठनों को छोड़ दीजिए, तो बाकी सभी संगठन अक्षम, अप्रभावी और भ्रष्ट हैं। हालांकि, यह झूठ है। ऐसे संगठन अन्य प्रकार के संगठनों, व्यवसायों की तुलना में ज्यादा अक्षम या भ्रष्ट नहीं हैं। नागरिक समाज संगठनों के प्रति जो गलत मिथकीय धारणा है, उससे न सिर्फ उन लाखों लोगों को बड़ा नुकसान होता है, जो समाज को बेहतर बनाने के लिए मजबूती व ईमानदारी से काम करते हैं, बल्कि यह उनके सामाजिक कार्यों के भी खिलाफ जाता है।

वैसे, कुछ नागरिक समाज संगठन भी गलत धारणा बनाने में सहभागी हो सकते हैं, पर इन मिथकों की जकड़ से बचने और सच्चाई का सामना करने की असली जिम्मेदारी परोपकारियों, दानदाताओं, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं पर है। यदि इन मिथकों को हमेशा के लिए दूर कर दिया जाए, तो भारत के लिए बेहतर होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सधी हुई चाल चल रहे हैं हेमंत सोरेन

चेतनादित्य आलोक

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से भेजे गए समन के मद्देनजर झारखंड के राजनीतिक गलियारों में यह कयास लगाया जा रहा है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की तरह ही इस बार झारखंड में हेमंत सोरेन भी पत्नी कल्पना सोरेन को राजनीतिक विरासत सौंप सकते हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सातवीं बार भेजे गए समन को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं समेत आईएनडीआईए गठबंधन के तमाम राजनीतिक दलों के बीच झारखंड सरकार के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। यही कारण है कि कांग्रेस के राज्य विधायक दल ने भी आनन-फानन में तीन जनवरी को एक बैठक आहूत की, जिसमें राज्य के चारों मंत्रियों समेत 13 विधायक तथा राज्य कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने भी भाग लिया। हालांकि, कांग्रेस की ओर से मीर ने बैठक को लेकर मीडिया से इतना ही कहा कि विधायकों के साथ बैठक काफी अच्छी रही।

देखा जाए तो कांग्रेस की यह बैठक वास्तव में अपने विधायकों की नब्ज टटोलने की एक कोशिश भर थी। दरअसल, कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को यह डर सता रहा है कि कहीं संकट की घड़ी में उनके विधायक टूट न जाएं। इसीलिए कांग्रेस के आलाकमान ने राज्य कांग्रेस के प्रभारी मीर को रांची भेजकर विधायकों को एकजुट रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की बात कही होगी। इस बात में वजन इसलिए भी है, क्योंकि झारखंड में आईएनडीआईए गठबंधन के भीतर यदि सबसे अधिक खतरा किसी पार्टी के टूटने का है तो वह कांग्रेस ही है, क्योंकि संकट की घड़ी आने पर सबसे पहले कांग्रेसी विधायक ही इधर-से-उधर होते पाए गए हैं। इससे पहले भी एक बार झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार के गिरने की खबर फैली थी, जब राजनीतिक गलियारों में यह बात खूब उछली थी कि कई कांग्रेसी विधायक भाजपा के कुछ केंद्रीय एवं स्थानीय नेताओं के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। उस समय कांग्रेसी विधायकों की आलाकमान से नाराजगी उनके टूटने की वजह बताई जा रही थी। तब पार्टी को तोड़कर भाजपा में शामिल होने के कथित आरोपी विधायकों का बंगाल कनेक्शन खुलकर सामने आया था। शायद इसीलिए कांग्रेस पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व झारखंड सरकार पर आने वाले संकट को भांपकर पहले ही अपनी तैयारी पूरी कर लेना चाहता था।

उधर झामुमो के भीतर ईडी की ओर से मुख्यमंत्री सोरेन को भेजे गए समन को लेकर अलग ही भय का माहौल बना हुआ है, क्योंकि केंद्रीय एजेंसी की ओर से उन्हें सातवीं बार समन भेजा गया था, जिसे आखिरी समन बताया जा रहा है। हालांकि उसे षड्यंत्र का हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री इस बार भी ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने समन का गोल-मोल जवाब भेज दिया। देखा जाए तो ईडी को जवाब भेजकर उन्होंने खानापूर्ति भले ही कर ली हो, लेकिन वे भी जानते हैं कि उनके ऊपर ईडी की तलवार हर वक्त लटक रही है, जिससे अब उनका बचना बेहद कठिन ही नहीं, बल्कि असंभव प्रतीत होने लगा है। इसका प्रमुख कारण इस मामले में ईडी का वह अल्टीमेटम है, जो एजेंसी ने मुख्यमंत्री को समन के साथ भेजा था। उसमें एजेंसी ने मुख्यमंत्री से साफ-साफ कहा था कि या तो पूछताछ के लिए वे स्वयं उपस्थित हों अथवा केंद्रीय एजेंसी को स्थान और तिथि बताएं, ताकि उनसे पूछताछ की जा सके। बहरहाल, अब इस मामले में यह संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय एजेंसी वैधानिक प्रक्रियाएं अपनाकर पूछताछ करने के लिए मुख्यमंत्री को हिरासत में ले सकती है। संभव है कि विपक्ष के नेता हेमंत सोरेन के इस कदम को मूर्खतापूर्ण मानने की गलती कर दें, लेकिन सच तो यह है कि गिरफ्तारी अथवा ईडी द्वारा हिरासत में लिए जाने की स्थिति में सोरेन जनता के बीच स्वयं को पीड़ित (विक्टिम) दिखाकर आगे की राजनीति साधने की तैयारी में हैं।

यही नहीं, हर स्थिति में वे राज्य का सिंहासन अपने ही किसी करीबी (शायद पत्नी) के पास रखना चाहते हैं। तभी तो तीन जनवरी को आनन-फानन में आईएनडीआईए गठबंधन के तमाम सहयोगी दलों के विधायकों के साथ मुख्यमंत्री आवास में बैठक कर उन्हें रांची से दूर जाने से मना करते हुए यह कहा था कि फिलहाल वे उतनी ही दूरी पर रहें कि जरूरत पड़ने पर तीन घंटे के भीतर मुख्यमंत्री आवास तक पहुंच सकें। भाजपा विधायक दल के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने भी हेमंत सोरेन पर हमला करते हुए विधायकों को बरगलाने का आरोप लगाया है।

बहरहाल, पल-पल बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच हेमंत सोरेन की बेहद सधी चालों पर यदि गौर किया जाए तो मालूम होता है कि मुख्यमंत्री फिलहाल अपने पत्ते खोलने वाले नहीं हैं, बल्कि वे ‘वेट एण्ड वॉच’ की रणनीति पर चलते हुए ईडी के अगले कदम पर नजर बनाए हुए हैं। तात्पर्य यह कि झारखंड में राजनीतिक ऊहापोह की स्थिति अभी बनी रहेगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजनाः 18 प्रकार के परम्परागत व्यवसायों के लिए मिलेगा प्रशिक्षण, अनुदान एवं ऋण

दुर्ग। केन्द्र शासन द्वारा सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना लागू की गई है। यह योजना 17 सितम्बर 2023 से प्रारंभ किया गया है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 18 प्रकार के पारंपरिक व्यवसायों के लिए प्रशिक्षण, अनुदान, ऋण आदि से लाभान्वित किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों की पहचान विश्वकर्मा के रूप में कर उन्हें सभी लाभ प्राप्त करने के योग्य बनाना, विश्वकर्माओं के उपलब्ध कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोड़ कर उनका कौशल विकास करना, उनकी योग्यता, क्षमता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक औजार, टूल किट प्रदान करना, संपर्शिक मुक्त ऋण प्रदान करना तथा उन्नति के लिए विभिन्न बाजारों से जोड़ना है। योजनातंर्गत आवेदन करने हेतु इच्छुक आवेदक सामान्य सेवा केन्द्र के माध्यम से निःशुल्क आवेदन कर सकते है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत शिल्पकारों और कारीगरों को प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड के जरिए पहचान मिलेगी। पंजीकृत हितग्राहियों को पहले चरण में एक लाख रुपए तक की और दूसरे चरण में 2 लाख रुपए तक की राशि 5 प्रतिशत रियायती ब्याज दर पर दिया जाएगा। इस योजना के तहत पंजीयन के बाद उनके पारंपरिक कौशल को निखारने के लिए 5 दिन का निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदाय किया जाएगा एवं 500 रूपये प्रतिदिन की दर से स्टाईफंड दिया जाएगा।

प्रभावी योजनाओं और इनके क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ को बनाएंगे अग्रणी राज्य-मुख्यमंत्री

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने राज्य योजना आयोग की अहम भूमिका, रिपोर्ट में धमतरी, बालोद और रायपुर अग्रणी, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्याप्त संसाधन हैं और इसके प्रभावी उपयोग के लिए कुशल मानवसंसाधन भी है। राज्य योजना आयोग इनके उपयोग के माध्यम से छत्तीसगढ़ में तेज और संतुलित विकास के लिए प्रभावी योजनाएं तैयार कर रहा है। एसडीजी प्रोग्रेस के माध्यम से जिलों में विकास के लिए निर्धारित लक्ष्यों के बारे में सतत समीक्षा की जा रही है।

इसकी समीक्षा करते हुए प्रभावी योजनाओं तथा इनके क्रियान्वयन के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाएंगे। यह बात राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य योजना आयोग के कार्यों की समीक्षा के लिए की गई बैठक तथा एसडीजी(सतत विकास लक्ष्य) डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट 2022 के विमोचन के अवसर पर कही। रिपोर्ट में धमतरी, बालोद और रायपुर जिले अग्रणी रहे। मुख्यमंत्री ने इन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ वन संपदा और खनिज से भरपूर राज्य है। वनोपजों का वैल्यू एडिशन करना है। खनिज संसाधनों के माध्यम से रोजगार के अधिकतम मौके पैदा करना है। सरगुजा और बस्तर जैसे क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष प्रयास करने हैं। वनोपजों में वैल्यू एडीशन किये जाने से इनके संग्राहकों के लिए आय के बेहतर अवसर पैदा होते हैं। मत्स्यपालन जैसे क्षेत्रों में अधिक कार्य किये जाने की आवश्यकता है ताकि कृषि के साथ इस तरह की गतिविधियों में भी जोड़कर किसानों की आय बढ़ाई जा सके।

इस अवसर पर योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु राज्य योजना आयोग द्वारा शोध एवं अध्ययन कार्य तथा नवाचार को प्रोत्साहन देने जैसा कार्य किया गया है। आयोग द्वारा तैयार की गई प्रोग्रेस रिपोर्ट इस संबंध में वर्षवार गोल आधारित एवं जिला आधारित विश्लेषण करती है। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई गारंटी का इन लक्ष्यों से प्रत्यक्ष संबंध है। सभी विभागों को प्रगति की नियमित समीक्षा करनी चाहिए ताकि लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

उन्होंने प्रधानमंत्री जी की वर्ष 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना तथा देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने की परिकल्पना को साकार करने में छत्तीसगढ़ राज्य का रोडमैप तैयार करने की बात कही। श्री चौधरी ने राज्य के राजस्व को बढ़ाने के उपाय, विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं में अधिकाधिक राशि प्राप्ति, विभिन्न स्त्रोतो से वित्त पोषण की संभावना हेतु विचार मंथन साथ ही जिलो में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने एसडीजी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलो को पुरस्कार दिये जाने का भी सुझाव दिया।

आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सतत विकास के लिए जो 17 लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए राज्य प्रतिबद्ध है। इसके माध्यम से जिलों की प्रगति के डाटा को एसडीजी डैशबोर्ड के माध्यम से देखा जा सकता है तथा तुलनात्मक प्रगति से अवगत होकर सुधारात्मक कार्यवाही की जा सकती है। बैठक में आयोग के सदस्य सचिव अनूप कुमार श्रीवास्तव ने आयोग की मुख्य उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना तथा प्रोग्रेस रिपोर्ट पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया बैठक में राज्य योजना आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमणियम, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, राज्य योजना आयोग के संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गौरडिया, यूनिसेफ के बाल परितोष दास एवं राज्य योजना आयोग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खाद्य अधिकारी उचित मूल्य दुकानों का करें निरीक्षण : मंत्री दयालदास बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज न्यू सर्किट हाउस रायपुर में खाद्य विभाग मार्कफेण्ड, नागरिक आपूर्ति निगम एवं राज्य भण्डारण गृह निगम के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की समीक्षा करते हुए धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। धान खरीदी केन्द्र में धान बेचने आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना होने पाए। धान का उठाव शीघ्रता से करने के निर्देश दिए हैं।

मिलरों के माध्यम से उपार्जित धान का त्वरित निराकरण कर भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में समय पर चावल जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को कस्टम मिलिंग की व्यवस्था को शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा।

उन्होंने सभी उचित मूल्य दुकानों में प्रत्येक माह राशन का भण्डारण समय पर करने के सख्त निर्देश दिए और खाद्य अधिकारियों को नियमित दुकानों का निरीक्षण करने के लिए कहा है। गड़बड़ी करने और लापरवाही बरतने वाले के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की बात कही। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालक श्री जितेन्द्र शुक्ला उपस्थित थे। दूरस्थ अंचल के क्षेत्रों तक खाद्य का भण्डारण समय पर करने का निर्देश दिए हैं। उचित मूल्य दुकान में चावल, चना, शक्कर, नमक के भण्डारण की उपलब्धता पर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक माह खाद्य अधिकारी और खाद्य निरीक्षक को प्रभार क्षेत्र के 10 उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण करने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने सुकमा, नारायणपुर, रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी की खाद्य निरक्षकों को गंभीरता से उचित मूल्य दुकानों का अवलोकन करने के लिए कहा है।

खाद्य मंत्री ने कहा कि किसानों को धान खरीदी केन्द्र में धान बेचते समय किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए धान बेचने के लिए केन्द्रों में बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री की विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ राज्य के हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए कहा है। इस योजना के तहत निःशुल्क चावल का वितरण करवाने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को गैस चूल्हा और सिलेण्डर देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 34.92 लाख महिलाओं को गैस चूल्हा दिया गया है। उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी (लिंकिंग सहित) करने का निर्णय लिया गया है। 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डधारी परिवारों को आगामी पांच वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण का निर्णय लिया गया है, इससे राज्य के 67 लाख 92 हजार 153 राशनकार्डधारी परिवार लाभन्वित होंगे और उन्हें आगामी 5 सालों तक राशन दुकानों से निःशुल्क चावल मिलेगा। साथ ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत जारी राशन कार्डों में जनवरी-2024 से आगामी 5 सालों तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण के समान ही छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम-2012 के तहत जारी अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डों में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने का फैसला लिया गया है।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने गोदामों की स्थिति की भी जानकारी ली और जिन जिलों में धान का भण्डारण करने के लिए गोदाम नहीं हैं ऐसे जिलों के लिए जमीन का चिन्हांकन करके कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। ताकी उन जिलों में शीघ्र गोदाम निर्माण कराया जा सके। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालक श्री जितेन्द्र शुक्ला ने बैठक विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी दी और अधिकारियों को निर्देशों का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों तक प्रत्येक माह राशन समय पर पहुंचाना शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें।

विद्यार्थियों के लिए पुस्तकें, इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था करने के भी दिए निर्देश

नवपदस्थ कलेक्टर ने किया निर्माणाधीन स्मार्ट रीडिंग रूम का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने मोतीबाग के समीप निर्माणाधीन स्मार्ट रीडिंग रूम का निरीक्षण भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि अध्यनरत युवाओं को उनकी जरूरत की पुस्तकें, इंटरनेट कनेक्टिविटी और उत्कृष्ट वातावरण प्राप्त हो इसका ध्यान अवश्य रखें।

डॉ. सिंह ने नए कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया एवं आज ही नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के साथ रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा मोतीबाग के समीप 6 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित किए जा रहे स्मार्ट रीडिंग रूम का निरीक्षण भ्रमण किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देशित किया है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के उपयोगी जरूरी पुस्तकें, अध्यनरत इस 600 सीटर रीडिंग रूम-लाईब्रेरी में साथ ही किया जाए। उन्होंने कहा कि ऊपरी तल का उपयोग भी अध्ययन हेतु प्राथमिकता से किया जाए, जिससे अधिकांश विद्यार्थियों को इस रीडिंग रूम-लाइब्रेरी का लाभ मिले। डॉ गौरव सिंह ने निर्माण जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। लाइब्रेरी का संचालन नालंदा परिसर की तर्ज पर समिति द्वारा किया जाएगा। इस दौरान डी.एफओ. विश्वेश कुमार ,नगर निगम के अपर आयुक्त अभिषेक अग्रवाल, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल, महाप्रबंधक पी. के. पंचायती, जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल, डिप्टी मैनेजर संजय अग्रवाल, नेहा पटेल भी साथ थे।

वार्षिकोत्सव में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर, साइंस मॉडल का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर गुरुवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उतई के वार्षिक उत्सव में बातौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। वार्षिकोत्सव के दौरान विभिन्न स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के करने वाले छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने साइंस मॉडल की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्कूली छात्राओं द्वारा विज्ञान से संबंधित एक से बढ़कर एक मॉडल बनाए जिसे देख वे मंत्र मुग्ध हो गए।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उतई के वार्षिक उत्सव के दौरान छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल का वार्षिकोत्सव बच्चों की प्रतिभा को दिखाने का मंच होता है। स्कूल में बच्चों ने एक से बढ़कर साइंस मॉडल बनाए। आज के बच्चे ही कल का भविष्य होते हैं। प्रदर्शनी में रखे गए मॉडल से बच्चों की सोच का पता चलता है। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान विधायक ललित चंद्राकर ने बच्चों को सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं शिक्षक शिक्षिकाओं को बच्चों को अच्छी शिक्षा देने प्रोत्साहित किया।

वार्षिकोत्सव के दौरान स्कूल की प्राचार्य चन्द्रकिरण साहू ने अन्य शिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ विधायक ललित चंद्राकर का अभिनंदन किया। वार्षिकोत्सव के दौरान सोनू राजपूत, नरेंद्र साहू, सतीश चंद्राकर, लक्ष्मी नारायण साहू, रुपेश पारख, नीलम, रोशन, चंदु देवांगन, बृज मोहन साहू, लखन लाल साहू,रुपनारायण शर्मा, रविंद्र वर्मा, जीवन लाल साहू, पार्षद भीमसेन सिन्हा, गिरीश शर्मा, मनीष पारख, सुमन साहू, तुलु राम साहू, सरोज बघेल, के शर्मा, एस अग्रवाल सहित स्कूली छात्राएं व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

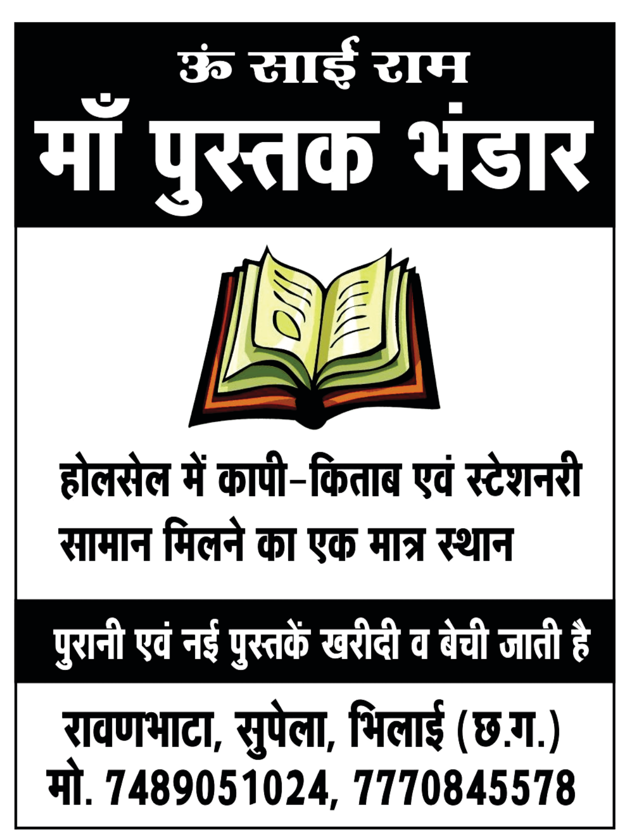

भव्य तरीके से होगा राजिम कुंभ का आयोजन, किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं, होगी कठोर कार्यवाहीः मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

अब छत्तीसगढ़ में बनेगा शिमला मनाली के तर्ज पर मॉल रोड, पर्यटन के विकास और प्रचार-प्रसार के निर्देश

- सीए, सीएस, बैंकिंग, रेलवे समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के निःशुल्क कोचिंग की होगी व्यवस्था
- 12वीं तक के प्रत्येक विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक देने की तैयारी के दिए निर्देश
- 9वीं के सभी वर्ग के बालक-बालिकाओं को मिलेगा अब निःशुल्क सायकल
- रात के 12 बजे तक 6 घंटे चली मैराथन बैठक में लिए गए बड़े फैसले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देर शाम 6 घंटे तक महानदी भवन मंत्रालय में चली अपनी पहली ही मैराथन बैठक में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेश हित में बड़े निर्णय लिए। इन निर्णयों में राजिम में कुंभ मेले को भव्य तरीके से मनाने के साथ ही प्रदेश की विरासत सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल करने के साथ ही छत्तीसगढ़ में मैनपाट, चैतुरगढ़ जैसे हिल स्टेशन में शिमला, मनाली के तर्ज पर मॉल रोड बनाया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में टूरिस्ट प्रदेश के सुंदर अद्भुत नजारों को आनंद आधुनिक सुविधाओं के साथ ले सकें। इसके साथ ही कक्षा 9वीं में सभी वर्ग के बच्चों को स्कूल में निःशुल्क सायकल तथा 12वीं तक पाठ्य पुस्तकों के निःशुल्क वितरण के भी निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व सचिव पी. अंबलगन, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सचिव एवं संचालक राजेश सिंह राणा, लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक सुनील जैन, समग्र शिक्षा प्रबंध संचालक इफ्फत आरा, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के सचिव वीके गोयल, एवं उच्च शिक्षा आयुक्त शारदा वर्मा, राज्य पर्यटन प्रबंध संचालक जितेन्द्र शुक्ला, विभाग के प्रमुख अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भव्य तरीके से आयोजित होगा राजिम कुंभ मेला

मंत्री अग्रवाल ने सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल कराने के लिए जरूरी प्रयास करने एवं राजिम कुंभ मेला की तैयारी के संबंध में जानकारी लेकर इसके आयोजन को भव्य बनाने की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने राजिम मंदिर के चारों ओर परिक्रमा पथ बनाने की बात कही है। उन्होंने अधिकारियों को राज्य के मेला महोत्सव को बढ़ावा देने के निर्देश भी जारी किए हैं, ताकि मेला को पर्यटन की तर्ज पर बढ़ावा मिल सके। उन्होंने पर्यटन के प्रचार-प्रसार और विकास को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि हम छत्तीसगढ़ में मैनपाट जैसे हिल स्टेशन वाले शहरों में शिमला, मनाली के तर्ज पर मॉलरोड बनाएंगे। सरगुजा के रामगढ़ और चैतुरगढ़ जैसे स्थानों का विकास हिल स्टेशन के रूप में करेंगे ताकि यहां राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को लुभा सके। बृजमोहन अग्रवाल ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य के सभी पर्यटन स्थलों एवं मेले महोत्सवों के विकास पर विशेष ध्यान दें।

मेरिट के आधार पर शिक्षकों की होगी पोस्टिंग

अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अब राज्य में सीए, सीएस, बैंकिंग, रेलवे के साथ-साथ सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्ता पूर्ण निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था होगी। हम सैनिक स्कूल को बढ़ावा देंगे जिससे शिक्षा एवं रोजगार में विस्तार हो सके। शिक्षा मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिया कि नई नियुक्तियों में ध्यान दे कि शिक्षकों की पोस्टिंग मेरिट के आधार पर आस-पास के जिले में ही हो, जिससे वे पूरी दक्षता के साथ शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। साथ ही हर महीने सभी अधिकारी-कर्मचारियों का वेतन निश्चित अवधि में प्राप्त हो।

सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर शामिल कराने की तैयारी

बृजमोहन अग्रवाल ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हम प्रदेश में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर व्यवसायों को बढ़ावा देंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम 'छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग सेल' की स्थापना कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में राज्य की छवि को बेहतर कर राज्य की पर्यटन क्षमता को बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने घोषणा पत्र में शामिल 'प्रदेशवासियों को श्री रामलला दर्शन' कराने के लिए अधिकारियों को निश्चित कार्ययोजना बनाने के लिए आईआरसीटीसी एवं बस ट्रांसपोर्ट्स, होटल मैनेजमेंट आदि की तैयारी करने और राम वन गमन परिपथ योजना के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

भर्ती प्रक्रिया में कोताही बर्दाश्त नहीं

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बेहतर शिक्षा प्रदान करना हमारा मकसद है। हमारी सरकार किसी भी योजना को लेकर पूर्वाग्रह से कार्य नहीं करेगी। व्यवस्था पहले से बेहतर और स्थाई हो ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल हो, इसी सोच के साथ हम आगे बढ़ेंगे। श्री अग्रवाल ने विभागों की भर्ती एवं नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी रखने के संबंध में सख्त हिदायत दी और कहा किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, यदि ऐसा हुआ तो दोषी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही होगी। शिक्षा विभाग में पिछली भर्ती में बचे हुए चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की प्रक्रिया को भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

राज्य के पूर्व स्थापित 100 कॉलेजों में अंग्रेजी माध्यम के सेक्शन खोलने की कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

उच्च शिक्षा विभाग के समीक्षा बैठक लेते हुए मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों को कार्यों में तीव्रता लाने के स्पष्ट निर्देश दिए और कहा कि किसी भी फाइल को अधिकारी अपने पास 7 दिन से अधिक न रोकें, ऐसा होने पर उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। श्री अग्रवाल ने रिक्त पदों के लिए भी 7 दिवसों के भीतर भर्ती नियम बनाने और विभागों को जल्द सेटअप रिवीजन करने के निर्देश भी दिए हैं ताकि पदोन्नति, भर्ती, नियुक्ति, ट्रांसफर और सेटअप सब निर्धारित समय-सीमा के भीतर हो जाए। श्री अग्रवाल ने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विश्वविद्यालयों के ग्रैडिंग सुधारने, रिक्त पदों को भरने, कॉमर्स और विज्ञान संकाय को बढ़ावा देने की भी बात कही। साथ ही महाविद्यालयों में बीएससी पाठ्यक्रम में कृषि विज्ञान को सम्मिलित करने की तैयारी के निर्देश दिए। कॉलेजों में सामान्य शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा को भी बढ़ावा देने पर जोर दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएसआर के तहत कॉलेजों के लिए फंड जुटाएं और बेहतर व्यवस्था देने का प्रयास करें। धन के अभाव में जो विद्यार्थी कॉलेज नहीं आ पाते हैं उन्हें सरकार बस का किराया या पास उपलब्ध कराने की तैयारी के भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

9वीं कक्षा में सभी वर्ग के विद्यार्थियों को मिलेगी निःशुल्क सायकल

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि अब 9वीं के सभी वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च गुणवत्ता के सायकल निःशुल्क वितरित किए जाएंगे तथा स्कूलों में एयर-पम्प की व्यवस्था भी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को 12वीं तक के प्रत्येक विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के साथ-साथ निःशुल्क पाठ्य पुस्तक भी देने की तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल के निर्माण और मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो, सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूरे हों। इस बैठक में मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना के तहत अनुसूचित जाति जनजाति के मेधावी छात्रों नियमित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में मेरिट स्थान पर प्रोत्साहन राशि 15 हजार रूपए से बढ़ा कर 25 हजार रूपए करने का निर्णय भी लिया गया।

अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान से जुड़ेंः डॉ. दिनेश मिश्र

रायपुर (ए)। डायन या टोनही की धारणा हमारे देश में प्रमुख अंधविश्वासों में से एक है जिसमें किसी महिला को डायन (टोनही) घोषित कर दिया जाता है तथा उस पर जादू-टोना कर बीमारी फैलाने, गाँव में विपत्तियाँ लाने का आरोप लगाकर उसे लांछित किया जाता है। डायन (टोनही) के रूप में आरोपित इन महिलाओं को न केवल सार्वजनिक रूप से बेइज्जत किया जाता है, बल्कि उन्हें शारीरिक प्रताड़ना दी जाती है तथा समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में शारीरिक प्रताड़ना इतनी अधिक होती है कि वे महिनों शारीरिक जख्मों का दर्द लिये कराहती रहती है तथा गाँव में उन्हें उपचार मिलना भी संभव नहीं होता। सार्वजनिक रूप से बेइज्जती व अपमान के जख्म तो आजीवन दुख देते हैं। इन स्थानों पर प्रभावशाली समूह का दबाव इतना अधिक रहता है कि प्रताड़ना की घटनाओं की जानकारी गाँव के बाहर नहीं जा पाती तथा प्रताड़ित महिला व उसका परिवार नारकीय जीवन जीता रहता है, ऐसे मामलों में कई बार महिलाएँ आत्महत्या तक कर लेती है। डायन (टोनही) के संदेह में प्रताड़ना के मामले में गाँवों के जनप्रतिनिधि व शासकीय कर्मचारी भी सामने आने का साहस नहीं कर पाते। ऐसे अधिकांश मामलों में जो जानकारी ही गाँवों से बाहर नहीं आ पाती, जिससे कथित बैगाओं का राज कायम हो जाता है। जो गाँव में सभी विपदाओं का कारण जादू-टोना व डायन (टोनही) बताकर, टोनही पकड़वाने, चिन्हित करने, गाँव बाँधने के नाम पर न केवल मनमानी राशि वसूलते हैं बल्कि किसी भी गरीब बेकसूर महिला को डायन (टोनही) घोषित कर हमेशा अभिशप्त जीवन जीने व प्रताड़ना सहने के लिये छोड़ देते हैं। इन बैगाओं द्वारा महिला को डायन (टोनही) न होने का प्रमाण देने के लिये ऐसी परीक्षाएँ ली जाती है जो किसी भी महिलाओं के लिये संभव नहीं है।

सुशासन के लिए मोदी की गारंटी पर कर रहे कामः विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रादेशिक समाचार एकांश दूरदर्शन केंद्र रायपुर के कार्यक्रम चर्चा में के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के संबंध में चर्चा की। साक्षात्कार के दौरान सुशासन पर प्रदेश में हो रहे काम के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने के दूसरे ही दिन पहले कैबिनेट में 18 लाख लोगों के लिए आवास बनाने का निर्णय लिया। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के दिन अटल जी की जयंती के अवसर पर 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल का बोनस दिया। आदिवासियों के लिए प्राथमिकताएं भी मुख्यमंत्री ने बताईं। उन्होंने कहा कि पहली बार प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया। इस मंत्रालय को पर्याप्त बजट दिया ताकि आदिवासी क्षेत्रों का बेहतर विकास हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी के अंतर्गत महतारी वंदन योजना हम लाये हैं एक साल में हम इसके अंतर्गत 12 हजार रुपए देंगे। इसके लिए तीन दिनों के विधानसभा सत्र में अनुपूरक बजट में धन की व्यवस्था कर ली गई है। जल्द ही यह योजना लागू हो जाएगी।

सार्वजनिक जीवन में कैसे आये। इस प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने बताया कि आजादी के बाद सीपी बरार राज्य का गठन हुआ था जिसकी राजधानी नागपुर में थी। इस समय हमारे दादा मनोनीत विधायक थे। बड़े पिता जी भी तपकरा से विधायक रहे। परिवार के एक सदस्य नरहरि प्रसाद साय, मोरारजी देसाई सरकार में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री रहे।

दस साल के थे तो पिता जी का साया उठ गया। उस समय नहीं सोचा था कि सार्वजनिक जीवन में आयेंगे। यह जरूर सोचा था कि अच्छे किसान बनेंगे। स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव से काफी मार्गदर्शन लिया। वे आदर्श थे। उन्हें 25 बरसों में कभी नाराज होते नहीं देखा, मैंने उनसे विनम्रता का गुण सीखा है। बालकृष्ण शर्मा भी मेरे आदर्श रहे, लोग उन्हें देवकी महाराज के नाम से जानते थे।

वे स्वर्गीय जूदेव के गुरु रहे।

युवाओं के लिए आप क्या करने जा रहे हैं। इस प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश युवाओं का देश है। जब मैं सांसद था तब पहली बार भारत सरकार में कौशल विकास मंत्रालय का गठन हुआ और युवाओं के कौशल विकास का काम शुरू हुआ ताकि युवाओं के लिए नये अवसर पैदा हो सके। ब्लाकवार आईटीआई को मजबूत करेंगे और नये ट्रेड शुरू करेंगे। मोदी की गारंटी के अंतर्गत हमने कहा है कि एक लाख पदों पर भर्ती करेंगे। पीएससी 2021 की परीक्षा की जांच का निर्णय लिया गया है।

बीते वर्षों में लाई गई योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। यदि ये योजनाएं छत्तीसगढ़ के हित में हों तो इन्हें बढ़ाएंगे। जशपुर को सुंदर बनाने के लिए क्या योजना है इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि यहां पर पर्यटन के लिए अपार संभावनाएं हैं। यहां ऐसे जंगल है कि भीतर सूरज की रौशनी नहीं पहुंच पाती, बहुत अच्छे जलप्रपात है। इसके लिए हमने कलेक्टर जशपुर को निर्देशित किया है कि जशपुर में पर्यटन संबंधित अन्य गतिविधियों के विकास के लिए रोडमैप तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने यहां के सर्वांगीण विकास के लिए किया है। आज ही हमने राज्य योजना आयोग की बैठक ली है। इसमें हमने प्रदेश के संतुलित विकास के लिए योजनाएं बनाने का निर्णय लिया है। आदिवासी क्षेत्रों में हम आईटीआई बढ़ाएंगे। यहां मत्स्यपालन बढ़ाएंगे। वनोपज संवर्धन के अवसर बढ़ाएंगे, इस पर आज विस्तार से चर्चा योजना आयोग की बैठक में हुई है। हमारी मंत्रिमंडल की टीम बहुत अच्छी बनी है और इस टीम के माध्यम से हम प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाएंगे।

खेलकूद को लेकर अपनी सोच बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं। भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण कार्य करती है। हमारे यहां बहुत अच्छा स्टेडियम है। कल सौरव गांगुली आये थे, उन्होंने भी इसकी बहुत तारीफ की। पहाड़ी कोरवा तीरंदाजी बहुत अच्छा करते हैं। यहां आर्चरी एकेडमी बनाने की दिशा में काम करेंगे। उद्योग जगत के बारे में अपनी सोच बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां खनिज संसाधन बहुत हैं। इसके दोहन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य को बेहतर करने की दिशा में काम करेंगे। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री की सोच है कि देश की अर्थव्यवस्था 2047 तक पांच ट्रिलियन तक हो जाए। इसके लिए छत्तीसगढ़ भी बहुत तेजी से काम करेगा।

गणतंत्र-दिवस परेड में कर्तव्यपथ पर शामिल होगी 'छत्तीसगढ़ की आदिम जनसंसद की झांकी'

रायपुर। देश के 28 राज्यों के बीच कड़ी प्रतियोगिता के बाद छत्तीसगढ़ की झांकी बस्तर की आदिम जनसंसदः मुरिया दरबार को इस साल नई दिल्ली में होने वाली गणतंत्र-दिवस परेड के लिए चयनित कर लिया गया है। नई-दिल्ली स्थित कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड के लिए 28 में से 16 राज्यों का चयन किया गया है। झांकी का अनूठा विषय और डिजाइन रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति को रिझाने में कामयाब रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य को मिली इस महत्वपूर्ण सफलता पर बधाई दी है, उन्होंने इसे प्रदेश के लिए एक बड़ा अवसर बताया है।

छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'भारत लोकतंत्र की जननी' पर आधारित है। यह झांकी जनजातीय समाज में आदि-काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना और परंपराओं को दर्शाती है, जो आजादी के 75 साल बाद भी राज्य के बस्तर संभाग में जीवंत और प्रचलित है। इस

झांकी में केंद्रीय विषय आदिम जन-संसद के अंतर्गत जगदलपुर के मुरिया दरबार और उसके उद्गम-सूत्र लिमऊ-राजा को दर्शाया गया है। मुरिया दरबार विश्व-प्रसिद्ध बस्तर दशहरे की एक परंपरा है, जो 600 सालों से चली आ रही है। इस परंपरा के उद्गम के सूत्र कोंडागांव जिले के बड़े-डोंगर के लिमऊ-राजा नामक स्थान पर मिलते हैं। इस स्थान से जुड़ी लोककथा के अनुसार आदिम-काल में जब कोई राजा नहीं था, तब आदिम-समाज एक नीबू को राजा का प्रतीक मानकर आपस में ही निर्णय ले लिया करता था। झांकी की थीम व डिजाइन स्थानीय स्तर पर वृहद अन्वेषण और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तैयार की गई। इस विषय वस्तु पर आधारित झांकी को पांच चरणों की कठिन प्रक्रिया के बाद अंतिम स्वीकृति मिली है। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति के सामने थीम और डिजाइन के चयन के बाद झांकी का थ्रीडी मॉडल प्रस्तुत किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

अनार और अनार जूस के फायदे, आप नहीं जानते

अनार एक ऐसा फल है जिसके नियमित सेवन से हमें अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। ऐसा माना जाता है कि अनार का जन्मस्थल अरब देश है। अनार खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पाचक और हमारे शरीर में रक्त वृद्धि करने वाला भी होता है। इस फल के दाने लाल मोती जैसे चमकते हैं। यह फल खट्टा मीठा स्वाद लिए होता है। अनुपम गुणों वाला अनार स्वास्थ्यवर्धक फल है। जिसका नियमित सेवन करने से बीमारी पड़ने की संभावना कम हो जाती है और इसके चूर्ण से बीमारियां हमसे कोसों दूर भागती हैं। इसके लगातार सेवन से हम बहुत सी बीमारियों को दूर कर सकते हैं। जैसे-

अतिसार

अनार के रस के साथ सौंफ, धनिया और जीरा इनको बराबर मात्रा में पीस कर इनका चूर्ण बनाकर सेवन करें। अथवा अनार के रस में पका हुआ केला मथकर इसका सेवन करें।

कब्ज

अनार के पत्तों को उबाल कर उसका काढ़ा पीने से कब्ज से पीछा छुड़ाया जा सकता है। अजवायन का चूर्ण फांक कर फिर अनार का रस पीएं। तो कब्ज से मुक्ति मिलेगी।

शरीर में खून की कमी

एनीमिया शीघ्र दूर करने के लिए अनार का रस और मूली का रस समान मात्रा में मिलाकर पीएं।

एसीडिटी (अम्ल पित्त)

अनार रस और मूली का रस समान मात्रा में लेकर उसमें अजवायन, सैंधा नमक चुटकी भर मिलाकर सेवन करने से अम्ल पित्त बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है। यदि आपको देर रात की पार्टी से अपच हो गया है तो पके अनार का रस चम्मच, आधा चम्मच सेंका हुआ जीरा पीसकर तथा गुड़ मिलाकर दिन में तीन बार लें। प्लीहा और यकृत की कमजोरी तथा पेटदर्द अनार खाने से ठीक हो जाते हैं। इसका शर्बत एसिडिटी को दूर करता है।

दस्त तथा पेचिश में

15 ग्राम अनार के सूखे छिलके और दो लौंग लें। दोनों को एक गिलास पानी में उबालें। फिर पानी आधा रह जाए तो दिन में तीन बार लें। इससे दस्त तथा पेचिश में आराम होता है।

दमा/खांसी में

जवाखार आधा तौला, कालीमिर्च एक तौला, पीपल दो तौला, अनारदाना चार तौला, इन सबका चूर्ण बना लें। फिर आठ तौला गुड़ में मिलाकर चटनी बना लें। चार-चार रत्ती की गोलियां बना लें। गरम पानी से सुबह, दोपहर, शाम एक-एक गोली लें। इस प्रयोग से दु:साध्य खांसी मिट जाती है, दमा रोग में राहत मिलती है। बच्चों की खांसी अनार के छिलकों का चूर्ण आधा-आधा छोटा चम्मच शहद के साथ सुबह-शाम चटाने से मिट जाती है।

सर्दियों में इस ऑइल से करें बेबी की मालिश, मिलेंगे भरपूर फायदे

छोटे बच्चों की मांसपेशियों की मजबूती और सेहत के लिए मालिश बहुत जरूरी है। लेकिन यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि मालिश सही तरह से और सही दिशा में की जाए। और उससे भी ज्यादा जरूरी है कि मालिश के लिए सही तेल का चुनाव किया जाए। चूंकि बेबी की स्किन काफी सॉफ्ट होती है, इसलिए मालिश के लिए नारियल का तेल बेस्ट माना जाता है।

■सर्दियों में बच्चे को धूप में लिटाकर नारियल के तेल यानी कोकोनट ऑइल से मालिश करनी चाहिए। इसके ढेरों फायदे होते हैं। आइए जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं:

■नारियल के तेल में ऐंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं जो हर तरह के इंफेक्शन को दूर रखती हैं। यह स्किन में आसानी से अब्जॉर्ब भी हो जाता है।

■डायपर के इस्तेमाल से कई बार बच्चों की स्किन पर रैशेज भी पड़ जाते हैं। इससे बचने के लिए स्किन पर नारियल का तेल लगाने के अलावा डायपर पर भी हल्का सा तेल लगा दें। इससे स्किन ड्राई नहीं होगी और हेल्दी रहेगी।

■नारियल के तेल में आयरन होता है और इसकी मालिश से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इसके अलावा इसमें विटमिन सी, ई और के भी होता है जो बच्चे की सेहत के साथ-साथ स्किन को हेल्दी बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

■कई बार बच्चों के मुंह पर छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं। इनमें कई बार दर्द और खुजली भी होने लगती है। ये दाने वक्त के साथ इंफेक्शन का रूप ले सकते हैं और पूरे शरीर में फैल सकते हैं। लेकिन नारियल के तेल की मालिश से इन दानों को सही किया जा सकता है। दरअसल कोकोनट ऑइल में लॉरिक ऐसिड होता है जो इन दानों को जन्म देने वाले कीटाणुओं को नष्ट करने में मदद करता है।

■लोरिक एसिड पेट में ऐंठन की समस्या को भी दूर करता है। इसके लिए आप बेबी फूड में कोकोनट ऑइल की कुछ बूंदे मिक्स कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि इसके लिए पहले अपने डॉक्टर से सलाह ले लें।

■नारियल का तेल बच्चों की स्किन के लिए एक सनस्क्रीन का काम करता है। रोजाना इसकी मालिश से बच्चे सूरज की पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभावों से दूर रहेंगे।

गुड़: सर्दी में होने वाली परेशानियों की एक दवा

गन्ने के रस से बने गुड़ के कई फायदे हैं. ठंड में गुड़ और भी ज्यादा लाभकारी हो जाता है. ये हमारे शरीर में खून की कमी नहीं होने देता. इसके अलावा ये एक प्रभावशाली ऐंटीबायोटिक है. ठंड के मौसम में गुड़ का सेवन करना सभी उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद रहता है.

■गुड़ एक प्रभावशाली ऐंटीऑक्सिडेंट है. गले और फेफड़ों में होने वाले इंफेक्शन में ये काफी लाभकारी होता है और उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है.

■जिन लोगों को नाक के एलर्जी की शिकायत है उनके लिए गुड़ का सेवन बेहद असरदार होता है. एलर्जी के मरीज सुबह भूखे पेट 1 चम्मच गिलोय और 2 चम्मच आंवले के रस के साथ गुड़ का सेवन करें. ऐसा रोजाना करने से नाक की एलर्जी में फायदा मिलता है.

■सर्दी के मौसम में होने वाले स्वास्थ संबंधी शिकायतों में गुड़ काफी लाभकारी होता है. इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए गुड़ की चाय पीना लाभदायक साबित होता है. ठंड के दिनों में गुड़, अदरक और तुलसी के पत्तों का काढ़ा बनाकर पीना भी आपको कई बीमारियों से बचाता है.

■गुड़ और तिल की बर्फी खाने से सर्दी और जुकाम में काफी आराम मिलता है. इन्हें खाने से शरीर में गर्मी बनी रहती है.

शाहिद कपूर की देवा का हिस्सा बनीं कुब्रा सैत, फर्जी में कर चुके हैं साथ काम

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर ने बीते दिन दशहरा (24 अक्टूबर) के खास मौके पर अपनी नई फिल्म देवा का ऐलान किया था। इस थ्रिलर फिल्म में शाहिद की जोड़ी पहली बार दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ बनी है।अब खबर है कि अभिनेत्री कुब्रा सैत फिल्म देवा का हिस्सा बन गई हैं। हालांकि, अभी इस खबर की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। इससे पहले शाहिद और कुब्रा वेब सीरीज फर्जी में साथ काम चुके हैं।

कुब्रा के एक करीबी सूत्र ने कहा, हां, कुब्रा देवा का हिस्सा होंगी। इसमें शाहिद कपूर एक पुलिस वाले की भूमिका में होंगे, लेकिन हम अभी उनके किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते। कुब्रा फर्जी के बाद एक बार फिर से शाहिद के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। शाहिद और पूजा की देवा अगले साल दशहरा के मौके पर यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

देवा का निर्देशन रोशन एंड्रयूज द्वारा किया जा रहा है। इसके निर्माण के लिए जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स ने हाथ मिलाया है। फिल्म में शाहिद एक पुलिस वाले की भूमिका निभाएंगे, जिसका नाम देवा है। देवा के अलावा शाहिद एक रोमांटिक फिल्म का हिस्सा हैं, जिसमें वह कृति सैनन के साथ नजर आएंगे। इसका नाम अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म 9 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

गीतांजलि मिश्रा के विंटर आउटफिट में शॉल, ऊनी जैकेट शामिल

अभिनेत्री गीतांजलि मिश्रा ने अपने विंटर फैशन स्टाइल के बारे में बात करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने आने वाले महीनों के लिए अपना वॉर्डरोब बदला है। उन्होंने अपने आउटफिट में शॉल, ऊनी जैकेट और थर्मल वियर को शामिल किया है।

सर्दियों के लिए अपने आरामदायक कपड़ों के बारे में बात करते हुए गीतांजलि ने कहा, मैंने हाल ही में रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखी है, जिसने मुझे आगामी महीनों के लिए अपनी अलमारी बदलने के लिए प्रेरित किया है।

कुंडली भाग्यज्की अभिनेत्री ने कहा, हालांकि, जैसे ही सूरज डूबता है, मैं लखनऊ के प्रसिद्ध अमीनाबाद बाजार से हाल ही में खरीदी गई ऊनी जैकेट पहनती हूं। इसके अलावा, मैंने थर्मल वियर को शामिल करना शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, अपने लुक में विविधता लाने के लिए मैं शॉल को शामिल करती हूं, जिनमें से प्रत्येक को विशिष्ट रूप से तैयार किया गया है।

गीतांजलि ने कहा कि वह कभी-कभी इन्हें अपने किरदार के लुक में इस्तेमाल करती हैं, जो उन्हें गर्म और स्टाइलिश बनाए रखने के साथ-साथ राजेश के पहनावे से पूरी तरह मेल खाता है।

वह वर्तमान में सिटकॉम हप्पू की उलटन पलटनज् में राजेश के रूप में नजर आ रही हैं।

शो के मौजूदा ट्रैक में बच्चे हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) से नए साल की पार्टी में शामिल होने का अनुरोध करते हैं। वह चतुराई से उनके उत्साह को घरेलू उत्सव की ओर मोड़ देता है, और हर कोई सहमत हो जाता है। घर पर जश्न की तैयारी शुरू हो जाती है, लेकिन एक मोड़ तब आता है जब बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) हप्पू को नए साल की पार्टी में एक रूसी डांसर के साथ जाते हुए दिखाता है।

क्या आप आइस बाथ के फायदों से हैं अनजान

बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर कई सेलिब्रिटी आइस बाथ लेते नजर आ रहे हैं। कड़ाके की ठंड में अक्सर लोग नहाने के कतराते हैं। इस मौसम में नहाने का ख्याल ही आपके रोंगटे खड़े कर देता है। ऐसे में आइस बाथ के बारे में सुनकर तो कंपकंपी ही छूट जाती होगी। हालांकि, आपकी सेहत के लिए काफी गुणकारी होता है। बर्फ के ठंडे पानी से नहाना क्रायोथेरेपी का एक प्रकार है, जिसे विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यही वजह है कि अक्सर कई मशहूर हस्तियां अक्सर ठंडे पानी में डुबकी लगाती नजर आती रहती हैं।

नींद को बढ़ावा दें:- बर्फ के पानी से स्नान करने से आपकी नींद बेहतर होती है। दरअसल, इसकी मदद से पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम सक्रिय करने में मदद मिल सकती है, जिससे रात में बेहतर नींद आ सकती है।

आपके दिल के लिए फायदेमंद:-बर्फ के पानी से नहाने से आपके दिल को भी काफी फायदा मिलता है। आइस बाथ लेने से पेरिफेरल वैस्कुलर सिस्टम को एक्टिव करने में मदद मिलती है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

वजन घटाने में मददगार:- अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो बर्फ के पानी से नहाना आपके लिए फायदेमंद होगा। शॉर्ट-टर्म बर्फ के पानी से नहाने से आपको बिना अपनी डाइट में बदलाव किए वजन घटाने में मदद मिलती है।

दर्द से राहत दिलाए:- हैवी एक्सरसाइज के बाद अगर आप बर्फ के पानी से नहाते हैं, तो उससे आपको मांसपेशियों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद मिलती है।

याददाश्त और ऊर्जा को बढ़ावा दें:- आइस बाथ लेने से नर्वस सिस्टम और स्ट्रेस हार्मोन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जो आपके मूड और ऊर्जा के स्तर को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

भिलाई इस्पात संयंत्र ने 2023 में बनाया उत्पादन का रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड उत्पादन स्तर दर्ज किया है। पहली बार संयंत्र ने एक कैलेंडर वर्ष में सेलेबल स्टील उत्पादन और डिस्पैच के लिए लोडिंग में 5 मिलियन टन के आंकड़े को पार किया है। वर्ष 2023 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 5.26 मिलियन टन सेलेबल स्टील उत्पादन दर्ज किया गया, जो कि वर्ष 2022 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 4.66 मिलियन टन से कहीं अधिक है। इसी प्रकार वर्ष 2023 में डिस्पैच के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ 5.23 मिलियन टन सेलेबल स्टील लोडिंग दर्ज करते हुए वर्ष 2021 में हासिल किए गए 4.68 मिलियन टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ लोडिंग को पार किया।

संयंत्र ने 13 वर्ष पुराने रिकॉर्ड को पार करते हुए ब्लास्ट फर्नेस से हॉट मेटल प्रोडक्शन और स्टील मेल्टिंग शॉप्स से क्रूड स्टील प्रोडक्शन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्षन दर्ज किया है। वर्ष 2023 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 5.93 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन दर्ज करते हुए, वर्ष 2010 में दर्ज 5.52 मिलियन टन उत्पादन को पार किया। उल्लेखनीय है कि ब्लास्ट फर्नेस-8 ने वर्ष 2023 में 2.66 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन कर, वर्ष 2021 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 2.55 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन को पार कर लिया है। साथ ही संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस ने 121 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल की सर्वश्रेष्ठ कोल डस्ट इंजेक्शन दर (सीडीआई) दर्ज करते हुए, वर्ष 2022 में दर्ज पिछली सर्वश्रेष्ठ 110 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल सीडीआई दर को पार किया।

संयंत्र द्वारा वर्ष 2023 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 5.63 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन दर्ज किया गया, जो वर्ष 2009 में हासिल किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ 5.24 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन से कहीं अधिक है। वर्ष 2023 में स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने 3.39 मिलियन टन कुल कास्ट स्टील का उत्पादन कर नयी उपलब्धि हासिल की है। जिसके तहत एसएमएस-3 ने वर्ष 2022 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार करते हुए 1.13 मिलियन टन सर्वश्रेष्ठ कास्ट ब्लूम्स उत्पादन और 2.25 मिलियन टन कास्ट बिलेट्स उत्पादन दर्ज किया।

वर्ष 2023 में कुल सिंटर उत्पादन 8.55 मिलियन टन दर्ज किया गया, जो वर्ष 2022 में दर्ज 8.00 मिलियन टन सिंटर उत्पादन से कहीं अधिक है। इसमें एसपी-3 द्वारा उत्पादित 5.86 मिलियन टन सर्वश्रेष्ठ सिंटर उत्पादन भी शामिल है। संयंत्र की अन्य मोडेक्स इकाई रिफ्रैक्टरी मटेरियल प्लांट-3 ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ कुल 6.00 लाख टन उत्पादन दर्ज करते हुए, वर्ष 2022 में दर्ज किए गए 4.64 लाख टन उत्पादन को पार किया।

रेल उत्पादन के क्षेत्र में बीएसपी की मोडेक्स यूनिट, यूनिवर्सल रेल मिल ने वर्ष 2023 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 8.34 लाख टन प्राइम रेल उत्पादन दर्ज किया, जो कि वर्ष 2022 में हासिल किए गए 7.41 लाख टन प्राइम रेल उत्पादन से कहीं अधिक है। दुनिया की सबसे लंबी 130 मीटर रेल बनाने वाली मिल ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ 8.01 लाख टन लॉन्ग रेल उत्पादन दर्ज करते हुए, वर्ष 2022 में हासिल किए गए 6.99 लाख टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ को पार किया।

खास खबर

कैम्प मंडल के 6 वार्डों में विधायक रिकेश ने नियुक्त किए प्रतिनिधि, छोटेलाल, विजय वर्मा सहित कई चेहरे शामिल

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने नगर पालिक निगम भिलाई के 6 वार्डों में अपना प्रतिनिधि बनाया है। विधायक रिकेश सेन द्वारा इस संबंध में जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार निगम भिलाई के वार्ड 27 शास्त्री नगर से अखिलेश सिंह, वार्ड 30 प्रगति नगर से अवतार सिंह मेहरा, वार्ड 34 शिवाजी नगर छोटेलाल चौधरी, वार्ड 35 शारदा पारा विजय वर्मा, वार्ड 36 श्याम नगर से शिव कुमार पटेल, वार्ड-37 रविदास नगर अकबर खान को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। विधायक रिकेश सेन ने प्रतिनिधियों को कहा है कि वो अपने वार्ड के पार्षद/छाया पार्षद के सहयोग और सामंजस्य से जनसमस्या, विकास कार्यों सहित अन्य समस्याओं के संबंध में प्रस्ताव बना कर समय समय पर उन्हें दूर करवाने आवश्यक पहल करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की गारंटी तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनोपयोगी योजनाओं को अपने वार्ड में घर-घर पहुंचा वार्डवासियों को लाभान्वित करने अहम भूमिका निभाएंगे।

सांसद चुन्नीलाल साहू ने ग्राम शोभा में ड्रोन मशीन से दवाई छिड़काव का किया अवलोकन

गरियाबंद। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी आमजन को दी जा रही है। साथ ही पात्र हितग्राहियों का शिविर स्थल पर ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पंजीयन एवं किसान क्रेडिट कार्ड तैयार कर लाभांवित किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज ग्राम- शोभा में ड्रोन मशीन से नैनो यूरिया छिड़काव का जीवन्त प्रदर्शन किया गया। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री चुन्नीलाल साहू ने ड्रोन से दवाई छिड़काव का अवलोकन किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कृषि विभाग एवं नेशनल फर्टिलाईजर लिमिटेड के संयुक्त तत्वधान में विभिन्न ग्रामो में शिविर के माध्यम से ड्रोन तकनीकी द्वारा नैनो यूरिया छिड़काव का प्रदर्शन किया जा रहा है। खेती में बढ़ते लागत,मजदूरों की कमी को देखते हुए खेती-किसानी को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से किसानों को प्रमुख फसलों में नैनो उर्वरक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। नैनो उर्वरकों का फसल पर सही एवं लक्षित प्रयोग करने से पर्यावरण को बिना नुकसान पहुचाए पौधे को आवश्यक पोषण दिया जा सकता है और अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान जनपद अध्यक्ष श्रीमति नुरमति मांझी, वरिष्ठ नागरिक श्री राजेश साहू, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं नागरीकगण उपस्थित रहे।

कैट ने पीएम मोदी से ई-कॉमर्स नीति और नियम लागू करने का आग्रह किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ़ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ़ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे एक पत्र में ई-कॉमर्स नीति और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत नियमों को शीघ्र लागू करने का अनुरोध किया है।

कैट ने कुछ मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि यह पता चला है कि ई-कॉमर्स नीति और नियम दोनों प्रधानमंत्री मोदी की अप्रूवल के लिये लंबित है और इसलिए देश भर के व्यापारी श्री मोदी के अप्रूवल किए जाने का इंतज़ार कर रहे हैं जो व्यापार और देश के व्यापक हित में आवश्यक है। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी और प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था पर ई-कॉमर्स के परिवर्तनकारी प्रभाव को पहचानते हुए, हमारा मानना है कि एक व्यापक और अच्छी तरह से संरचित नीति जरूरी है जो निश्चित रूप से ई कॉमर्स की प्रमुख कंपनियों द्वारा बनाए गए असमान स्तर के खेल को खत्म कर देगी जिससे देश का आम व्यापारी भी ई-कॉमर्स का लाभ उठा सकेगा।

श्री पारवानी और श्री दोशी ने कहा कि ई-कॉमर्स नीति के त्वरित कार्यान्वयन से न केवल बहुत जरूरी नियामक स्पष्टता मिलेगी बल्कि एक निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल को भी बढ़ावा मिलेगा। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना, छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना और ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र में सभी हितधारकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है जिसके लिये पालिसी एवं नियमों को अब लागू करना निहायत ही ज़रूरी हो गया है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने आगे कहा कि जैसे-जैसे हमारा देश डिजिटल अर्थव्यवस्था को अपनाना जारी रखता है, एक मजबूत ई-कॉमर्स नीति आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और तकनीकी नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इसके अलावा, यह हमारी वैश्विक स्थिति को मजबूत करेगा और डिजिटल बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगा।

नव पदस्थ कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने पदभार किया ग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नव पदस्थ कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने गुरूवार की संध्या पदभार ग्रहण कर लिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा 2014 बैच के अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी इससे पूर्व जांजगीर-चांपा जिले में कलेक्टर के पद पर पदस्थ थे। दुर्ग जिले के निवर्तमान कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा (आईएएस) ने कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी को कार्यभार सौंप कर उन्हें नवीन दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला कार्यालय में पदस्थ सभी अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को पूरा करेगी

प्रति मानक बोरा 5500 रुपए की दर से होगी तेन्दूपत्ता की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को पूरा करेगी। राज्य की जनता-जनादर्शन से प्रधानमंत्री ने जो वायदे किए हैं।

उसे पूरा करने की शुरूआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के 18 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है। राज्य के 13 लाख किसानों को दो साल का बकाया बोनस का भुगतान भी उनके बैंक खाते में कर दिया गया है। चालू जनवरी माह से आगामी पांच वर्ष तक राज्य के 67 लाख से अधिक गरीब परिवारों को नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किए जाने का निर्णय भी सरकार ने ले लिया है। हम राज्य में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा के मान से 5500 रूपए भुगतान करेंगे।

मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद श्री केदार कश्यप आज पहली बार कोण्डागांव जिले के मर्दापाल पहुंचे थे। मर्दापाल और आस-पास के ग्रामीणजनों ने उनका भव्य स्वागत किया और मोटर साइकिल रैली निकाली। ग्रामीणों ने पारंपरिक लोक नृत्य के बीच उनका तिलकाभिषेक किया और आतिशबाजी की। मंत्री श्री केदार कश्यप ने मर्दापाल में ग्रामीणों द्वारा उत्साहपूर्ण स्वागत के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपके प्रेम और स्नेह ने अभिभूत किया है। उन्होंने कहा कि किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की का ओदश जारी कर दिया गया है। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को शीघ्र ही राशि प्रदान करने का कार्य भी किया जाएगा।

मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा विकसित की जाएगी और देवगुड़ियों का जीर्णोद्धार प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के साथ हर घर तक बिजली और पानी पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने वनों को जीवन का आधार बताते हुए इनके संरक्षण की अपील की। उन्होंने कहा कि विभागों के माध्यम से जनता के समस्याओं का तत्परता के साथ निराकरण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ महिला चेंबर के तत्वाधान में हर्पिस (शिन्गल्स) जागरूकता कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. अरुण केडिया ने शिन्गल्स के प्रभाव और बचाव पर जानकारी दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला चेंबर प्रदेश महामंत्री पिंकी अग्रवाल जी ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर द्वारा सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. अरुण केडिया के सानिध्य में आज दिनांक 04 जनवरी 2024 को चेंबर भवन में हर्पिस (शिन्गल्स) जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीनियर कंसल्टेंट फि जिशियन डॉ. अरुण केडिया जी ने हर्पिस (शिन्गल्स) पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

श्रीमती पिंकी अग्रवाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आगे कहा कि हर्पीज़ सिंप्लेक्स वायरस संक्रमण के कारण त्वचा, मुंह, होंठ (मुंह के छाले), आँखों या जननांगों पर छोटे, दर्दनाक, तरल पदार्थ से भरे फफोले के बार-बार होने की घटना होती है। सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. अरुण केडिया जी ने हर्पिस (शिन्गल्स) की जानकारी साझा करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित व्यपरिगणों को प्रोजेक्टर (चलचित्र) के माध्यम से बताया कि दुनिया भर में लाखों लोग हर्पीस वायरस से संक्रमित हैं। यह एक संक्रामक संक्रमण है और संक्रमित व्यक्ति की त्वचा, श्लेष्मा झिल्ली या शारीरिक तरल पदार्थ के सीधे संपर्क से फैल सकता है। इस बीमारी में प्रभावित क्षेत्र में दर्दनाक घाव या छाले, खुजली और जलन होती है। वायरस शरीर में निष्क्रिय रह सकता है और पुन: सक्रिय हो सकता है, जिससे लक्षण बार-बार उभर सकते हैं।

हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस (एचएसवी), जैसा कि पहले उल्लेख किया गया था, हर्पीस का कारण बनता है। एचएसवी दो अलग-अलग रूपों में आता है, एचएसवी-1 और एचएसवी-2। एचएसवी-1 आमतौर पर मौखिक दाद के लिए जिम्मेदार होता है, जिसे कभी-कभी कोल्ड सोर के रूप में भी जाना जाता है, जबकि एचएसवी-2 मुख्य रूप से जननांग दाद का कारण बनता है। हरपीज के लक्षण वायरस कहां स्थित है, इसके आधार पर हरपीज के लक्षण बदल सकते हैं।

सामान्य तौर पर, लक्षणों में शामिल हो सकते हैं:- दर्दनाक घाव या छाले, प्रभावित क्षेत्र में जलन या खुजली, बढ़े हुए लिम्फ नोड्स, बुखार और अन्य फ्लू जैसे लक्षण, जैसे थकावट, मुँह के छाले, जिन्हें अक्सर मौखिक दाद के रूप में जाना जाता है, आमतौर पर होठों पर या उसके पास विकसित होते हैं और उनकी उपस्थिति से आसानी से पहचाने जाते हैं। आमतौर पर, वे छोटे लाल फुंसियों के रूप में शुरू होते हैं जो असुविधाजनक फफोले में बदल जाते हैं। जब छाले फूटते हैं, तो एक दर्दनाक, उथला अल्सर रह जाता है।

हरपीज का इलाज अक्सर एंटीवायरल दवाओं जैसे एसाइक्लोविर, वैलेसीक्लोविर और फैम्सिक्लोविर से किया जाता है। ये दवाएं वायरस की पुनरुत्पादन और प्रसार करने की क्षमता को रोककर कार्य करती हैं। इन्हें मौखिक रूप से सेवन किया जा सकता है या क्रीम के रूप में शीर्ष पर उपयोग किया जा सकता है। पेरासिटामोल और इबुप्रोफेन जैसी ओवर-द-काउंटर दर्द निवारक दवाओं से भी हर्पीज़ से संबंधित असुविधा को प्रबंधित किया जा सकता है। प्रभावित क्षेत्र को ठंडे, गीले कपड़े से ढकने से भी मदद मिल सकती है।

हरपीज की रोकथाम के लिए सबसे बड़ी रणनीति वायरस को फैलने से रोकना है। तौलिए या रेज़र जैसी निजी चीज़ों का आदान-प्रदान न करें, नियमित हाथ धोना, यह याद रखना भी महत्वपूर्ण है कि भले ही आपके क्षेत्र में वर्तमान में कोई प्रकोप न हो, फिर भी आप दूसरों में संक्रमण फैला सकते हैं।

नये साल में सिम्स अस्पताल की एक बड़ी उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। नए साल में सिम्स अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। दो मरीजों के आंख की जटिल बीमारी का सफल इलाज किया गया है। नेत्रदान से मिले कॉर्निया के प्रत्यारोपण से उनकी रोशनी वापस आ गई है।

सिम्स अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. विवेक शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें से एक 60 वर्षीय मरीज,जिनकी दाहिनी आँख में दिखाई नहीं देने तथा साथ में आँखों से लगातार पानी बहने की शिकायत के साथ नेत्ररोग विभाग की ओपीडी में जांच कराने आये थे। जांच में यह पाया गया की मरीज की पुतली में मवाद पड़ गया है।

जिसे चिकित्सकीय भाषा में बवतदमंस नसबमत (कॉर्निया में घाव) कहते है। कई बार यह मवाद दवाईयों से ठीक हो जाता है परंतु संकमण अधिक होने पर इसमें कॉर्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती हैं। मरीज को ज्यादा संक्रमण होने के कारण उन्हें कॉर्निया प्रत्यारोपण की सलाह दी गई थी। दूसरा मरीज 50 वर्षीय जिन्हें कॉर्निया में संक्रमण हुआ था जांच के बाद दवाईयों के द्वारा संकमण को दूर कर दिया गया था। किन्तु आखों में सफेदी रह गई थी तथा मोतियाबिंद भी हो गया था जिसके कारण आँखो की रोशनी चली गई थी। सिम्स के नेत्रबैंक में नेत्रदान से प्राप्त कॉर्निया आई तो इन दोनों मरीजों को तत्काल प्रत्यारोपण हेतु फोन करके बुलाया गया। मरीज द्वारा सहमति देने पर सिम्स के डॉक्टरों द्वारा कॉर्निया प्रत्यारोपण (Corneal Transplantation) के साथ ही मरीज की आँख में मोतियाबिंद का भी ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपण किया गया जिसके बाद मरीज के आँखों का संक्रमण हट गया है तथा मरीज की आँख में रोशनी वापस आ गई है।

इस जटिल ऑपरेशन में नेत्र रोग विभाग के चिकित्सक डॉ सुचिता सिंह विभागाध्यक्ष, डॉ. प्रभा सोनवानी असिस्टेट प्रोफेसर, डॉ. ज्योति आचार्य, डॉ. विभा राज तथा पी जी छात्र छात्राओं एवं नर्सिंग स्टाफ निशावाणी नेहा उड़ान एवं संदीप कौर तथा वार्ड ब्वाय बंशी कोलाम, विनय गढ़ेवाल तथा प्रसन्ना का सहयोग रहा।

खास खबर

रायपुर में देशी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार, कमर में फंसाकर दिखा रहा था रोब

रायपुर। राजधानी रायपुर की खम्हारडीह पुलिस ने एक व्यक्ति को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। युवक ने कट्टा अपने कमर में फंसा रखा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी को घेरकर गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में खम्हारडीह पुलिस अब आगे की कार्रवाई कर रही है।

गुरुवार को खम्हारडीह थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रावण तालाब कचना के पास एक व्यक्ति अपने पास देशी कट्टा रखा हुआ है। ये सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस टीम को रवाना किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी की पहचान की, फिर उसे घेर लिया।

पुलिस की पूछताछ में व्यक्ति ने खुद को रायपुर के विधानसभा थाना इलाके का रहने वाला सुरेश यादव बताया। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से एक कट्टा बरामद हो गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एक्शन लिया है।

इंद्रावती नदी में बहकर लापता हुआ छात्र, खोजबीन में जुटी एनडीआरएफ की टीम

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम ब्लाक के मट्टीमरका में पिकनिक मनाने गया एक छात्र इंद्रावती नदी में बहने से लापता हो गया। एनडीआरएफकी टीम शुक्रवार की सुबह छात्र की तलाश करेगी। भोपालपटनम थाना प्रभारी जीवन कुमार जांगड़े ने बताया भोपालपटनम के इंद्रावती कॉलेज से छात्र-छात्राएं शुक्रवार को पिकनिक मनाने मट्टीमरका गये हुए थे।

इसी बीच दोपहर तीन से चार बजे के दरमियान इंद्रावती नदी में बहने से एक छात्र लापता हो गया। थाना प्रभारी जांगड़े ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि छात्र उन्हें बिना बताए पिकनिक में गये थे। इसकी सूचना कॉलेज प्रबंधन को नहीं दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह एनडीआरएफ की टीम यहां पहुंचकर छात्र की खोजबीन करेगी। उन्होंने बताया कि छात्रों ने रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म आरोपी सक्ती से गिरफ्तार

जशपुरनगर (ए)। नाबालिग को भगाने व दुष्कर्म करने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला बागबहार थाना क्षेत्र के कोतबा चौकी का है। घटना बीते 1 जनवरी की है। मामले में पुलिस ने आरोपी को सक्ती जिला से गिरफ्तार किया।

पत्थलगांव एसडीओपी हरीश पाटिल ने बताया कि आरोपी शिवा मुंडा नाबालिग को शादी करने का झांसा देकर 1 जनवरी को दोपहर 3 बजे भगाकर सारंगढ़ ले गया था। यहां लॉज में किराया लेकर 1 रात रुका। इसी दौरान आरोपी ने नाबालिग से दुष्कर्म किया। उसके बाद दूसरे दिन आरोपी सक्ती जिला पहुंच गया।

बैंक से पार हो गई खातेदार की एफडी

महिला ने बताया कि बिना उसकी जानकारी दूसरे खाते में ट्रांसफर हुई रकम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाने धोखाधड़ी का एक अलग ही मामला सामने आया है। यहां एक महिला की एफडी को प्रामेच्योर कर बिना उसकी जानकारी के दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिया। महिला के खाते से 3 लाख 60 हजार रुपए पार हो गए। महिला ने खाते की डिटेल निकलवाई और उसके बाद थाने पहुंचकर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। महिला की शिकायत पर भिलाई नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफधारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार यह मामला यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से जुड़ा हुआ है। रसियन कॉम्पलेक्स सेक्टर-7 निवासी हरि प्रिया (32) ने भिलाई थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उनका यूनियन बैंक आफ इंडिया में खाता है। उन्होंने अपने खाते में आनलाईन फिक्स डिपाजिट किया था। महिला ने 4 मई 2022 को 40000 रुपये, 28 जून 2022 को 53000 रुपये, 29 जुलाई 2022 को 99000 रुपये, 31 जुलाई 2022 को 50000 रुपये, 6 सितंबर 2022 को 90000 रुपये तथा 7 अक्टूबर 2022 को 100000 रुपये कुल 6 अलग-अलग किश्तों में 4 लाख 32000 रुपए जमा किए।

महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि एफडी की मैच्युरिटी से पहले ही उनकी जानकारी के बिना प्री मेच्योर कर अलग अलग किश्तों में 4 लाख 27 हजार 240 रुपए उनके खाते में ट्रांसफर किया गया। इसके बाद उनके खाते से बिना जानकारी बैंक द्वारा 3 लाख 60000 रुपये किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर दिए। महिला ने दिसम्बर 2023 को अपना ट्रांजेक्शन डिटेल चेक किया तो उन्हें इसका पता चला। इस संबंध में बैंक में शिकायत करने पर कुछ नहीं किया गया। बैंक वाले मामले से पल्ला झाड़ रहे हैं। इसके बाद महिला थाने पहुंची। महिला की शिकायत पर भिलाई नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आशंका है कि इस मामले में बैंक के किसी कर्मचारी की भूमिका भी हो सकती है।

एक साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी पकड़ाया, साली को अकेली पाकर किया था दुष्कर्म

कोरबा। पत्नी की गैर हाजिरी में साली से दुष्कर्म कर फरार जीजा एक साल बाद पुलिस की गिरफ्त में आया। पीड़िता ने इसकी शिकायत कोतवाली थाना पुलिस से की। घटना के बाद एक साल से आरोपी फरार था। कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में फरार चल रहे मोतीसागरपारा निवासी नीलेश चौहान आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि नीलेश ने एक साल पहले एक युवती से लव मैरिज की थी। उसके बाद वो परिवार से अलग पत्नी के साथ रह रहा था। उसकी साली का आना जाना था। जिस पर वो गलत नियत रखता था। आरोपी ने अपनी पत्नी की गैर मौजूदगी में अकेले पन का फायदा उठा कर उसके साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम दिया। युवती विरोध करती रही लेकिन जबरन उसके साथ अनैतिक कृत्य किया। जब पीड़िता ने अपनी दीदी को रो-रो कर अपनी आप बीती बताई। जिसके बाद से आरोपी फरार हो गया। पीड़िता ने इसकी शिकायत कोतवाली थाना पुलिस से की। जहां पुलिस से मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। कोतवाली प्रभारी अभिनवकांत सिंह ने बताया कि 11 दिसंबर को आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

24 मवेशियों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

बैकुंठपुर (ए)। 24 नग मवेशियों की तस्करी करते हुए 2 आरोपियों को जनकपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया। साथ ही न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा। बता दें कि पुलिस ने ग्रामीणों की सूचना पर जंगल में घेराबंदी की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। वही कुछ चरवाहे मौके पर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। मवेशियों को गोठान में भेजा गया है। एमसीबी जिला के थाना क्षेत्र जनकपुर में आए दिन पशु तस्करी का मामला सामने आते रहता है। बीती रात 24 मवेशियों को जंगल के रास्ते चरवाहों के माध्यम से भेजा रहा था, लेकिन ग्रामीणों की सतर्कता से मवेशियों को पकड़कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि ग्राम खाडाखोह का तीरथ जोगी ग्राम हरफ्रा के रास्ते से कुंदर मध्यप्रदेश की ओर अवैध रूप से मवेशियों को जंगल के रास्ते पैदल ले जा रहा था। मवेशियों को बूचड़खाना उत्तरप्रदेश ले जाया जा रहा था। आरोपी तीरथ जोगी व जीवनलाल जोगी सुबह 5.30 बजे जंगल के रास्ते से मवेशियों को हांकते हुए ले जा रहे थे। मवेशियों की तस्करी के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं होने से पुलिस ने मवेशियों को नजदीक के गोठान में भेजा।

युवती ने बॉयफ्रेंड के साथ की नानी के घर चोरी, दोनों गिरफ्तार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक युवती ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर अपनी नानी के घर में ही चोरी कर ली। दोनों ने सूने मकान में घुसकर लॉकर का ताला तोड़ा और अंदर रखे करीब 1 लाख 10 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवरात पार कर लिए। हालांकि, अब पुलिस ने दोनों गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भी भेज दिया गया है। मामला बोधघट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर शहर के वृंदावन कॉलोनी की रहने वाली सपना अवस्थी ने पुलिस थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसने पुलिस को बताया था कि 19 दिसंबर से लेकर 2 जनवरी तक घर बंद था। वो किसी काम से बाहर गई हुई थीं। इसी बीच किसी ने घर का ताला तोड़कर चोरी कर ली। अलमारी का लॉक तोड़ा और उसके अंदर रखा मंगलसूत्र, अंगूठी, सोने की चेन समेत अन्य आभूषण पार कर दिए। जब्त गहनों की कीमत 1 लाख 10 हजार रुपए से ज्यादा थी।

महिला के रिपोर्ट लिखवाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। लोगों से पूछताछ भी की गई। जांच में पुलिस को क्लू मिला कि महिला की नातिन साक्षी अवस्थी (19) एक युवक अभिषेक राव (22) के साथ घर की तरफ गई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया। इनसे पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक दोनों गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हैं।

पूछताछ में दोनों ने जुर्म कबूल लिया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से सोने-चांदी के गहने बरामद कर लिए। इसके बाद पुलिस ने इन दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। नगर पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि कुछ ही घंटे के अंदर पुलिस ने इस चोरी की गुत्थी को सुलझा लिया।

केतुलनार के जंगल से इनामी नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत कुटरू पुलिस ने केतुलनार से एक दस हजार रुपये के ईनामी नक्सली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को भैरमगढ़ ब्लाक के कुटरू थाना से थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टुकड़ी एरिया डॉमिनेशन व पेट्रोलिंग पर केतुलनार की ओर निकली हुई थी।

इसी दरमियान केतुलनार के जंगल से एक जनमिलिशिया सदस्य लिंगा कुंजाम पिता जोगा उम्र 32 निवासी गढ़मेरिपारा केतुलनार को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, 28 नवंबर 2023 को पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने की नीयत से दरभा कच्चे मार्ग पर आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल था।

साथ पकड़ा गया नक्सली 11 जनवरी 2022 को केतुलनार गढ़मेरिपारा के ग्रामीण की हत्या और चार फरवरी 2023 को मंगापेटा के पास गिट्टी परिवहन कर रही हाईवा वाहन में आगजनी की घटना में शामिल था। पकड़े गए नक्सली की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने 10 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। पकड़े गए नक्सली के विरुद्ध थाना कुटरू में कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायिक रिमांड पर न्ययालय बीजापुर में पेश किया गया है।

महासमुंद पुलिस को बड़ी कामयाबी

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश पुलिस ने छह को दबोचा

महासमुंद। जिले की कोतवाली और साइबर सेल पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी कर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे सात लाख पचास हजार रुपये के 13 अलग-अलग कंपनियों की मोटरसाइकिल जब्त की है।

पकड़े गए सभी आरोपी महासमुंद शहर के ही रहने वाले हैं। महासमुंद के प्रशिक्षु डीएसपी कोतवाली प्रभारी मोनिका श्याम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि फिरोज उर्फ जावेद निवासी वार्ड क्रमांक 4 नयापारा महासमुंद, नामक व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिल बिक्री हेतु घूम रहा है।

सूचना पर कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की टीम ने आरोपी को नयापारा में धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह अपने अन्य साथी गोलू, फिरोज अब्दुल, भैरूनाथ, तुलसी, साहिल के साथ मिलकर महासमुंद क्षेत्र के अलग-अलग स्थान से बाइक चोरी कर अपने घर में रखे हुए हैं। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 13 नग अलग-अलग कंपनियों के बाइक बरामद की है। जिसकी कीमत सात लाख पचास हजार है। सभी आरोपियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने धारा 41(1+4), 379 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

महिला ने कॉन्स्टेबल को दांत से काटा: अवैध शराब पकड़ने गए पुलिसवालों की फाड़ी वर्दी, 5 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर जिले में अवैध शराब पकड़ने गए आरक्षक के हाथ को महिला ने दांत से काट लिया और अपने पति को भी भगा दिया। इस दौरान आरोपी परिवारवालों ने मिलकर पुलिसकर्मियों को घेर लिया, फिर उनकी वर्दी फाड़कर हाथापाई की। पुलिस ने हमलावरों पर केस दर्ज कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम परसदा में अवैध शराब बेचने की शिकायत मिल रही थी, जिस पर रतनपुर थाने के मुंशी सैय्यद अकबर अली और आरक्षक नंदकुमार यादव मौके पर पहुंचे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने अवैध शराब का धंधा करने वाले सुनील देवार के घर में दबिश दी और उसे पकड़ लिया।

पुलिसकर्मी उसे पेट्रोलिंग गाड़ी में बैठा रहे थे, तभी इसका विरोध करते हुए सुनील के परिवार वाले आ गए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और हंगामा मचाते हुए हाथापाई शुरू कर दी।

परिवारवालों ने पुलिसकर्मियों के साथ गालीगलौज करते हुए आरोपी सुनील देवार को

गाड़ी से उतार लिया। इस दौरान सुनील की पत्नी गौरी ने आरक्षक नंदकुमार के हाथ की कलाई को दांत से काट लिया और अपने पति को उससे छुड़ाकर भगा दिया। वहीं, मुंशी और आरक्षक को घेरकर उनकी वर्दी फाड़कर उनसे मारपीट की।

हमलावरों पर केस दर्ज, 5 गिरफ्तार

इसके चलते पुलिसकर्मियों को वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा। उन्होंने इस घटना की जानकारी थाने में दी। इसके बाद थाने से पुलिस बल भेजा गया। थाने से बल भेजकर दोबारा छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान 40 लीटर कच्ची शराब जब्त कर पुलिस ने 5 आरोपियों को पकड़ लिया। उन्हें थाने पकड़कर लाने के बाद आरक्षक ने मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा डालने की शिकायत दर्ज कराई।

इस पर पुलिस ने हमलावर सुनील कुमार और उसकी पत्नी गौरी सहित अन्य के खिलाफ धारा 147, 186, 294, 506, 353, 332 के तहत जुर्म दर्ज किया। इस केस में पुलिस ने सुनील के साथ ही उसकी पत्नी गौरी, पूर्णिमा भट्ट, मनी देवार और शारदा भट्ट को गिरफ्तार किया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

मैत्री बाग में सफेद बाघों के कुनबे से जुड़े दो नए मेहमान, पर्यटकों को दिखी पहली झलक

चार माह पहले हुआ था दो नर शावकों का जन्म, प्रबंधन ने अब किया सार्वजनिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मैत्री बाग में सफेद बाघों के कुनबे में नए दो मेहमानों, नर शावकों का जन्म, हाल ही में 8 सितम्बर 2023 को हुआ। आम जनता को इन चंचल शावकों की पहली झलक देखने का अवसर दिनांक 05 जनवरी 2024 से प्राप्त होगा। इन दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति राजसी सफेद बाघ और उनके नन्हें शावक अपने आकर्षक धारियों, सफेद रंग और चमकदार नीली आंखों के साथ बहुत ही प्यारे लग रहे हैंद्य वर्ष 2023 में, 28 अप्रेल को भी तीन शावकों जन्म मैत्री बाग में हो चुका है।

शावकों की माँ रोमा अभी 09 साल की है। माँ रोमा ने पिछले 4.5 माह से बच्चों का लालन किया है। वन्यजीव विशेषज्ञ, भिलाई मैत्री बाग प्रभारी एवं उप महाप्रबंधक (उद्यानिकी) डॉ एन के जैन ने जानकारी दी, कि जू अथॉरिटी के मार्गदर्शन अनुसार ही इन नन्हें शावकों और इनकी माँ की देखभाल की गई। मैत्री बाग प्रबंधन द्वारा लगातार बाघिन माँ रोमा को पौष्टिक आहार तथा विभिन्न प्रकार के आवश्यक विटामिन और कैल्शियम आदि भोजन के साथ दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि भिलाई मैत्री बाग सफेद बाघों की सबसे अधिक संख्या के साथ भारत के शीर्ष चिड़ियाघरों में से एक बन गया है। मैत्री बाग प्रबंधन ने सेंट्रल जू अथॉरिटी के नियमानुसार, अब तक देश के 5 से भी अधिक चिडियाघरों में सफेद बाघों का आदान-प्रदान किया है।

सफेद बाघिन 'रक्षा' ने दिया था जन्म

विदित हो कि एक और सफेद बाघिन 'रक्षा' ने 28 अप्रैल, 2023 को 03 नन्हें शावकों को जन्म दिया था। सितम्बर में जन्में दो शावकों के साथ ही मैत्री बाग में सफेद बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है। सन 1997 में तरुण एवं तापसी की जोड़ी को नंदनकानन चिडियाघर ओडिसा से मैत्री बाग जू लाया गया था, तब से मैत्री बाग चिडियाघर में सफेद शेर का कुनबा अधिक हुआ और मैत्री बाग जू द्वारा देश के 05 चिडियाघरों जवाहर लाल नेहरु जूलोंजिकल पार्क बोकारो, लखनऊ जूलोंजिकल गार्डन, राजकोट जूलोंजिकल पार्क राजकोट, इंदिरा गाँधी प्राणी संग्रहालय इंदौर, जूलोंजिकल - रेस्कुयु सेंटर मुकुंदपुर सतना मध्यप्रदेश में 12 से अधिक सफेद शेरों को दिया गया। वर्तमान में मैत्री बाग चिडियाघर में 10 सफेद शेर है।

चार माह तक रखा गया था अलग बाड़े में

पशु चिकित्सा मानदंडों के अनुसार, स्तनपान और अन्य स्वास्थ्य मापदंडों की निगरानी के लिए शावकों को मां के साथ एक अंधेरे कमरे में रखा गया है। युवा शावकों की देखभाल करते समय बाघिन माँ अत्यधिक सतर्क और गुप्त रहना पसंद करती है, इसलिए गुफा जैसा माहौल बनाने, घूमने और पर्याप्त जगह बनाने के लिए बाघिन और नन्हें शावकों को नियंत्रित प्रकाश व्यवस्था के साथ एक अलग बाड़े में रखा गया है। बाघिनें जन्म के बाद, पहले कुछ दिनों तक अपने शावकों की देखभाल में लगभग अपना 70 प्रतिशत समय व्यतीत करती है। बाघिन माँ नियमित रूप से शावकों को केवल थोड़े समय के लिए खाने-पीने के लिए छोड़ती है, जिससे शावक लगभग 4 माह बाद पूर्ण रूप से मांस खाना सीख जाएं।

मैत्रीबाग प्रबंधन द्वारा की जा रही थी देखभाल

भिलाई मैत्री बाग प्रभारी एवं उप महाप्रबंधक (उद्यानिकी) डॉ एन के जैन के मार्गदर्शन में मैत्री भाग के जू-कीपर्स मुहर्रम, मोहन, नरसैया द्वारा शावकों के जन्म से लेकर वर्तमान तक पूरी देखभाल की जा रही है। मैत्री बाग की एक प्रशिक्षित टीम चैबीस घंटे मां और शावकों पर नजर रखे हुए है और उनकी देखभाल में लगे हुए हैं। इस बीच यह सुनिश्चित किया गया है कि उनके आसपास कोई अशांति या अव्यवस्था ना हो। इस बात को ध्यान में रहते हुए शावकों को जन्म के बाद 04 माह तक सार्वजनिक नहीं किया गया। प्रबंधन द्वारा लगातार बाघिन माँ रोमा को पौष्टिक आहार तथा विभिन्न प्रकार के आवश्यक विटामिन और कैल्शियम आदि भोजन के साथ दिया जा रहा है।

दिया जा रहा था विटामिन और कैल्शियम युक्त स्वस्थ पुष्टिवर्धक भोजन

शावकों के पर्याप्त पोषण और स्वस्थ विकास और बेहतर दूध देने को सुनिश्चित करने के लिए माँ को भरपूर पानी, विशेष विटामिन और कैल्शियम युक्त स्वस्थ पुष्टिवर्धक भोजन दिए जा रहे हैं। लगभग साढ़े तीन महीने की गर्भावस्था अवधि के दौरान, बाघिन को उसके महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों की निगरानी के लिए पशु चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा नियमित रूप से प्रशासित किया जा रहा था। बाघ के बच्चे तापमान के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। सर्दी के मौसम को देखते हुए माँ और शावकों को बढ़ती ठण्ड से बचाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। दिसंबर एवं जनवरी के महीनों में मां और शावकों को गर्म तापमान देने के लिए बाड़े के अंदर अलाव लगाए गए हैं।

खास - खबर

विधायक एवं महापौर से मिले निगम कर्मचारी संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्वशासी कर्मचारी संघ दुर्ग नगर निगम शाखा के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल से मुलाकात की और उन्हें गुलदस्ता भेंटकर नववर्ष की बधाई दी।कर्मचारी संघ का यह प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष संजय मिश्रा और महासचिव अनिल सिंह के नेतृत्व में मिला। मुलाकात के दौरान कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने कर्मचारी हित में भी महापौर से चर्चा की।विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने भी कर्मचारी संघ के पधाधिकारियों को नववर्ष की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस दौरान नगर निगम के लोक निर्माण विभाग प्रभारी अब्दुल गनी,जल गृह विभाग प्रभारी संजय कोहले के अलावा निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।इस अवसर पर शशिकांत यादव,ईश्वर वर्मा,राजू बक्शी, किरण अग्रवाल,चंदन मनहरे,राजू चन्द्राकर,रेखा कुर्रे,ठाकरे,चंद्रलेखा कसार,योगेंद्र वर्मा आदि मौजूद रहें।

मौजूदा हालात में समाज के नवनिर्माण पर नौजवानों ने की चर्चा

भिलाई। भारतीय मुस्लिम युवा विद्यार्थियों के संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफइंडिया (एसआईओ) छत्तीसगढ़ की एक दिवसीय मेंम्बर्स मीट स्टूडेंट्स सेंटर,भिलाई में आयोजित की गई। प्रोग्राम की शुरुआत ईश्वरीय मार्गदर्शन कुरान से किया गया जिसकी तिलावत एसआईओ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष ने इदरीस खान की। इसके बाद मौजूदा हालात में नौजवानों में आम हो रही नशे की प्रवृत्ति पर एस के अमानुल्लाह ने अपनी बात रखी। इसके बाद ईश्वर से हमारा ताल्लुक कैसा हो पर अनस खान ने अपने बात रखी। इस बैठक के मकसद और समाज के लिए हमारी जिम्मेदारी पर इदरीस खान और इमरान अजीज ने रोशनी डाली। इस बैठक में इस्लाम और मौजूदा हालात को ध्यान में रखते हुए,समाज का नवनिर्माण कैसे और उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी, नौजवानो का समाज में महत्व एवं नौजवानो में सुधार कैसे लाए जैसे विभिन्न विषयों पर भाषण एवं चर्चा हुई,जिनमे शिक्षा में सुधार व गुणवत्ता पर ध्यान एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा सामाजिक बदलाव के लिए ईश्वरीय मार्गदर्शन के अनुसार अपने जीवन को व्यवस्थित करने जैसे विभिन्न बिंदुओं को शामिल किया गया।

22 जनवरी को भगवान श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हेतु अक्षत एवं निमंत्रण दिया

भिलाई। वर्षों के बाद भगवान श्री रामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को होने जा रहा है । इस अवसर पर अयोध्या में अभूतपूर्व आनंद का वातावरण निर्मित होने के साथ ही संपूर्ण भारतवर्ष में दीपावली जैसा उत्सव करने हेतु घर-घर जाकर लोगों को जागृत कर आह्वान किया जा रहा है। कोहका चंद्रनगर विकास समिति से आयोजन समिति की अध्यक्षा टाटा शोभा ने बताया कि क्षेत्र के प्रत्येक घर में जाकर अक्षत एवं 22 जनवरी 2024 के शुभ दिन को प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को भव्य बनाने के लिए लोगों से आग्रह किया जा रहा है। कार्यक्रम का स्वरूप भव्य बनाने के लिए लोगों से आह्वान किया जा रहा है कि श्री राम जन्मभूमि निर्माण मंदिर अयोध्या हमारे आस्था का केंद्र है ।

सोलर स्ट्रीट लाईट का किया लोकार्पण

धरातल पर दिखने लगी है प्रधानमंत्री मोदी की सोच-सरोज पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा कल वैशाली नगर में सोलर स्ट्रीट लाईट का लोकार्पण किया गया । लोकार्पित सोलर स्ट्रीट लाईट से भिलाई के वार्ड क्षेत्र वृंदा नगर से अर्जुन नगर, भिलाई पुरानी बस्त, कुरुद से सुन्दर बिहार कालोनी, भिलाई कालीबाड़ी से बाबा दीपसिंग नगर, भिलाई आदर्श नगर गार्डन से सुन्दर नगर पार्क 1 भिलाई में लगाया गया है । इस सुविधा से प्रभावित क्षेत्रवासियों ने कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बृजेश भोजपुरिया, महामंत्री योगेन्द्र सिंह, वरिष्ठ तुलसी साहू, नेताप्रतिपक्ष भोजराज, पार्षद स्मिता दोड़के, संजय सिंह, श्रीमती प्रियंका साहू, शिव सागर मिश्रा, भोला साहू, धर्मेन्द्र दिवाकर, मृत्युजंय दीक्षित, मंडल अध्यक्ष विजय शुक्ला, प्रेमलाल साहू सहित झूलेलाल मंदिर समिति, और कालाड़ी मंदिर समिति सहित मितानिन महिलाएँ और अधिक संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

सोलर स्ट्रीट लाईट लोकार्पण अवसर पर राज्य सभा सांसद ने कहा आज प्रधानमंत्री जी के अभिनव सोच धरातल पर दिखायी देने लगी है । प्रधानमंत्री जी ने हमेशा नई सोच के साथ आगे बढ़े हैं और इसका प्रतिफल आज हमें भिलाई के इन वार्डो और स्लम क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाईट के रुप में दिखाई पड़ रही है । इस काम को पल फाउण्डेशन के माध्यम से पूरा किया गया है । आज दीप नगर में जो सोलर लाईट लगा है उसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें तार खींचने की आवश्यकता नहीं है और न ही पोल लगाने की जरुरत है । कई बार तार खींचने और पोल लगाने में कई तरह की समस्याएँ आ जाती है। इसमें बिजली का बिल भी नही आयेगा । क्षेत्रवासी ना उतना पैसा दे पाते हैं। यह सब फ्री में हो रहा है । यह काम हमारे प्रधानमंत्री जी ने किया है। भिलाई के अलग-अलग स्थानों में करीब ढाई सौ से ज्यादा जगह पर यह लाईट आपको दिखाई देगा। जिससे पर्याप्त रोशनी मिल रही है । यह सोलर लाईट गर्मी में बहुत काम करता है। मैं आप सबसे इस बात का अनुरोध करती हूँ कि किसी क्षेत्र में कोई ऐसी जगह पर लाईट न हो हम वहॉ सोलर लाईट लगाऐगें ।

उन्होनें कहा आपको लगे की यहॉ लाईट लगनी चाहिए आप कहें हम जरुर लाईट लगायेगें । पढ़ाई के लिए जो शिक्षा टैबलेट होती बच्चे उसका बहुत शौक करते हैं आने वाले समय में हम कैम्प लागाकर शिक्षा टैबलेट भी वितरण करने वाले हैं। आने वाले 20 जनवरी को हम कैम्प लगायेगें। यहां पर दिव्यांगों के लिए अच्छी क्वालिटी की पैर, हाथ लगायेगें। कान की मशीन, व्हीलचेयर, मोटर व्हीलचेयर सहित बहुत सारी चीज हम लोग वितरित करते हैं। आप सबके आर्शीवाद स्वरुप हम यह काम कर पाते हैं। मैं पल फाउण्डेशन को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उनके सहयोग से यह कार्य संभव हो सका है। हमारी बहुत सी महिलाएँ छोटे-छोटे ग्रुप में काम करती हैं। कोई काम उनको शुरु करना चाहते हैं इसके लिए हम 2.00 लाख रुपये उस महिला समूह को देगें। जिससे वे कुछ काम की शुरुआत कर सकते हैं। यह तमाम योजनाएँ हमारी सरकार की योजना है हमारे प्रधानमंत्री की है। अब तो हमारे मुख्यमंत्री जी भी आपके लिए बहुत सारी योजनाएँ लेकर आयेगें।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष बृजेश भोजपुरिया ने भी संबोधित कर कहा कि बहुत खुशी की बात है इस क्षेत्र में सोलर लाईट लगायी गई है हमारी सांसद व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय की पहल पर एनसीजीओ के माध्यम से लगाया गया है। कार्यक्रम में योगेन्द्र सिंह जी ने कहा निश्चित रुप से आज भिलाई वैशाली नगर क्षेत्र एवं वार्डो में सोलर लाईट से रोशनी हुई है। उन्होनें कहा सरोज दीदी के साथ की तमाम यादें आज भी हमें याद है 2008 से लेकर आपके विधायक तक की सफर में यहॉ के लोग साथ थे। आपका आर्शीवाद हमेशा बनी रहे यही अपेक्षा करते हैं।

त्रिवेणी जयंती पर सांसद बघेल ने सौभाग्यवती माता को समर्पित किया भारत गौरव सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 1008 आदिनाथ भगवान और श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी जी 1008 भगवान महावीर स्वामी जी के मंगल अभिषेक शांति भक्तों ने किया और विश्व शांति हवन पूजन विधान पूज्य सौभाग्यवती माता जी के अमृत वचनों से बाल ब्रह्मचारी मध्य प्रदेश के पंकज भैया द्वारा समस्त पूजन विधान और हवन क्रिया सैकड़ों भक्तों के मध्य संपन्न कराया। इस अवसर पर आज श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में सांसद विजय बघेल अपने समस्त पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ माताजी का आशीर्वाद ग्रहण करते और वंदन करते हुए श्रीफल अर्पण किया। उन्होंने भारत गौरव सम्मान सौभाग्यवती माता को समर्पित किया। यह सम्मान माता के सामाजिक क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र और धार्मिक साहित्य के क्षेत्र में एवं मान्य स्तंभ स्थापित किए जाने की उपलब्धियां के लिए भारत सरकार के द्वारा 6 दिसंबर को प्रदान किया गया था किंतु पद विहार की वजह से पुरस्कार प्राप्त करने वहां उपस्थित नहीं हो सकी।

सांसद विजय बघेल ने उपस्थित धर्म सभा में श्री दिगंबर जैन महासभा के समस्त प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समर्पित करते हुए माताजी से आशीर्वाद स्वरुप धर्म संग्रह ग्रहण किया। सांसद विजय बघेल ने धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला एवं अपने जीवन में धर्म की उपलब्धियों को रेखांकित किया उन्होंने कहा कि यद्यपि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था लेकिन गुरु मां के चरणों में आने से उनका स्वास्थ्य ठीक हो गया, एक नई ऊर्जा शक्ति प्राप्त करके पूर्ण स्वस्थ हो चुका हूं। उन्होंने रतन मुनि महाराज के दुर्ग में हुए आयोजन का जिक्र किया।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा से देश में शुरू होगा न्याय का नया अध्याय - अरुण वोरा

लोगों को सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक न्याय दिलाने की राहुल गांधी की सोच से देशवासियों में उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने कहा है कि 14 जनवरी से प्रारंभ हो रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा से देश में एक नया अध्याय प्रारंभ होगा। पंडित नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं की सोच और उनके सपने को साकार करने के साथ ही देश को समृद्ध राष्ट्र बनाने का सपना लेकर राहुल गांधी 67 दिनों तक पदयात्रा कर 6700 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। लोगों को राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय दिलाने का विराट उद्देश्य लेकर राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक पदयात्रा करेंगे।

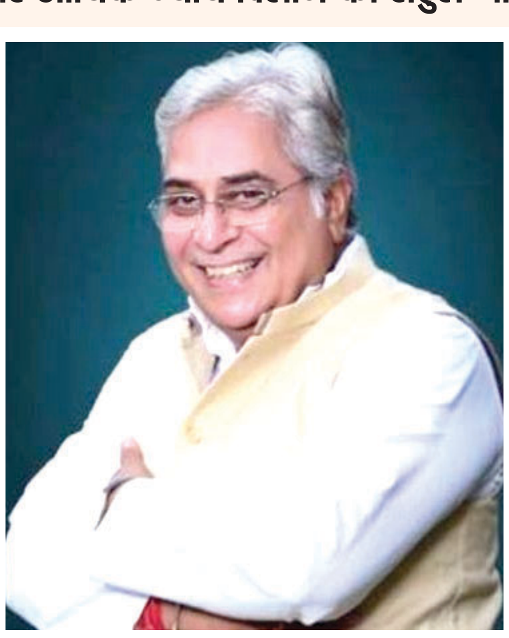

वोरा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने कई दशकों तक देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। असंख्य लोगों के त्याग, बलिदान से कांग्रेस नेताओं ने देश को आजाद कराया। आजादी के बाद भारत के स्वप्नदृष्टा पंडित जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, लौह महिला इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, मनमोहन सिंह सरीखे नेताओं ने आधुनिक भारत की मजबूत बुनियाद रखी। देश को तरक्की और विकास के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। कांग्रेस ने हमेशा वैश्विक समझ, विश्व बन्धुत्व की भावना, मानवतावादी दृष्टि और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ देश के विकास का सपना देखा और इसे साकार भी किया।

वोरा ने कहा कि देश की आजादी के बाद एम्स, आईआईटी, इसरो, बड़े-बड़े बांधों की स्थापना, एटॉमिक रिसर्च सेंटर की स्थापना के साथ ही कांग्रेस ने देश को अन्न उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पंचवर्षीय योजना, कम्प्यूटर क्रांति, इंफार्मेशन टेक्नॉलाजी के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाकर देश की तरक्की के रास्ते पर ले जाने का काम किया। आज उसी आधुनिक और वैज्ञानिक सोच के साथ सामाजिक न्याय के रास्ते पर चलते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत में आपसी सौहार्द्र और आपसी विश्वास कायम करने 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा प्रारंभ कर रहे हैं। पूरा देश राहुल गांधी के विचारों के साथ है। देशवासियों के इसी विश्वास और प्रेम-स्नेह की बदौलत राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री भी बनेंगे और करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों को पूरा करेंगे।

निगम प्रशासन ने 10 कर्मचारियों को दी स-सम्मान विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 10 कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई। गौरतलब है कि विगत अक्टूबर से आर्दश आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण अधिकारी कर्मचारियों की बिदाई कार्यक्रम संपन्न नहीं हो पाया था, निगम सभागार में गुरूवार को 10 कर्मचारियों को बिदाई दी गई।

निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किए। इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने भिलाई निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा करते हुए सभी को सामंजस्य बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किए। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने आरपी तिवारी जोन 03 जोन स्वास्थ्य अधिकारी, रोहित कुमार वर्मा आ0 द्वारिका प्रसाद फिटर जलकार्य विभाग, परमानंद सिन्हा आ0 लक्ष्मण सिन्हा चैकीदार जोन 03, राजेन्द्र चन्द्राकर झुमुक लाल, पंप सहायक जोन 03,परमानंद आ0 हन्नूराम चैकीदार कोष्ठागार विभाग, दिलीप बागड़े आ0 मगरध्वज चैकीदार सिटी बस विभाग, बिसाहू राम सिवारे आ0 पुनु राम मजदूर जोन 01, कन्हैया सिंह यादव फिल्ड वर्कर आ0 सीताराम यादव फिल्ड वर्कर राजस्व विभाग, छन्नूराम देवांगन आ0 रामदयाल देवांगन सफाई कामगार जोन 02, लतखोर आ0 स्व. मेहत्तर राम सफाई कामगार जोन 04 को निगम प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता डीके वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, बसंत देवांगन, संजय शर्मा, अजय शुक्ला, राज सच्चर, विश्वजीत सेनगुप्ता, शशिभूषण मोहंती, श्रवण ठाकुर, सहित अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950